दैनिक समाचार पत्र

मरूधर आवाज़

एक रास्ता सच्चाई की ओर...

वर्षः 1 | अंकः 249 | दैनिक प्रातः कालीन | जयपुर, गुरुवार , 21 जुलाई, 2022 | पृष्ठः 6 | मूल्यः 2 रुपए मात्र

खदान बंद कराने के लिए 551 दिन से कर रहे थे आंदोलन

अवैध खनन का विरोध कर रहे बाबा विजय दास ने खुद को आग लगाई

80 प्रतिशत झुलसे, जयपुर एसएमएस अस्पताल के लिए रैफर

❐ मरूधर आवाज

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के पसोपा गांव में बाबा विजय दास नाम के संत ने अवैध खनन के विरोध में खुद को आग लगा ली। वे साधु-संतों के साथ पिछले 551 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। अपने ऊपर केरोसीन डालकर आग लगाने के बाद बाबा राध-राधे कहते हुए दौड़ने लगे। पुलिसकर्मियों ने कंबल डालकर आग बुझाई, लेकिन वे करीब 80 फीसदी जल चुके थे।

बाबा को भरतपुर के राज बहादुर मेमोरियल अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उनकी हालत गंभीर होने पर जयपुर एसएमएस अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। बाबा के आत्मदाह के बाद राजस्थान के खान मंत्री बैकफुट पर आ गए। खान मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कहा कि संत जिन खानों को बंद करने की मांग कर रह हैं, वे लीगल हैं। फिर भी उनकी लीज शिफ्ट करने पर विचार किया जाएगा।

संत ने टॉवर पर 33 घंटे धरना दिया

इसी आंदोलन से जुड़े एक और संत बाबा नारायण दास 33 घंटे टॉवर पर चढ़कर बैठे रहे। वे मंगलवार सुबह 6 बजे से मोबाइल टॉवर पर चढ़े थे और समझाने के बाद बुधवार दोपहर वापस उतर आए। वे बरसाना के रहने वाले हैं। आंदोलन को देखते हुए संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने भरतपुर के पांच कस्बों में इंटरनेट बंद कर दिया था।

सीएम गहलोत ने ली बैठक

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अवैध खनन को लेकर बैठक ली । उन्होंने अवैध खनन करने वालों की सूची तैयार कर उनके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जिला पुलिस अधीक्षकों को अवैध खनन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कहा गया है। उधर खनन मंत्री प्रमोद जैन ने कहा कि संत जिसे अवैध खनने बता रहे हैं उसकी लीज सरकार ने दे रखी है। वहां वैध खनन हो रहा है। लेकिन फिर भी लीज को दूसरी जगह स्थानांतरित करने पर विचार किया जा रहा है।

खनन करने वाले रॉयल्टी दे रहे हैं

संत के आत्मदाह के बाद खान मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कहा कि पहाड़ी के आसपस 55-60 लीज दे रखी है। वे सब लीगल माइनिंग कर रहे हैं और उनके पास एनवायर्नमेंटल क्लीयरेंस भी है। संत चाहते हैं कि वहां खनन बंद करके उस इलाके को वन क्षेत्र घोषित किया जाए। भाया ने कहा कि इस मामले में सीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में भी चर्चा हुई है। वे नियमानुसारर खनन कर रहे हैं, रॉयल्टी दे रहे हैं। उन खानों की लीज कैंसिल करके दूसरी जगह लीज देने पर विचार करेंगे।

पिछले साल सीएम से मिले थे यूपी के पूर्व नेता प्रतिपक्ष

ब्रज क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर आंदोलन जब 260 दिन हो गए तो राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ब्रज चौरासी कोस में स्थित धार्मिक पर्वत कनकांचल व आदि बद्री को वनक्षेत्र घोषित कर खनन मुक्त करने का निर्णय लिया। साधु संतों का आरोप है कि अवैध खनन रुक नहीं रहा है। ब्रज क्षेत्र में खनन रोकने की मांग करते हुए अप्रैल 2021 में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से यूपी के पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रदीप माथुर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल मिला था। सीएम ने कहा था कि नगर व पहाड़ी तहसील में हो रहा खनन रोका जाएगा। आदिबद्री व कनकांचल पहाड़ियों को संरक्षित किया जाएगा। माथुर ने कहा था कि इस इलाके से होकर ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा गुजरती है। इन पहाड़ियों को रिजर्व फॉरेस्ट घोषित किया जाए।

सरकार की रोक के बाद भी चल रहा खनन

राजस्थान सरकार ने 27 जनवरी 2005 को आदेश निकाल था कि ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के दोनों तरफ 500 मीटर में खनन नहीं किया जाएगा। भरतपुर जिले के डीग, कामां तहसीलों में पड़ने वाले परिक्रमा मार्ग व धार्मिक स्थलों के 500 मीटर के अंदर खनन बैन करने की घोषणा की गई। सरकार ने दावा किया था कि धार्मिक स्थलों व पहाड़ों में खनन नहीं हो रहा। न ही कोई खनन पट्टा दिया गया है। इस इलाके में कोई खनन नहीं चल रहा, लेकिन परिक्रमा मार्ग से 500 मीटर के बाहर खनन चलता रहा। साधु-संतों का दावा है कि 500 मीटर के अंदर भी माइनिंग का काम चल रहा है और पवित्र मानी जाने वाली पहाड़ियों को नुकसान हो रहा है।

इसलिए कर रहे हैं आंदोलन

राजस्थान के भरतपुर जिले की डीग, कामां तहसील का इलाका 84 कोस परिक्रमा मार्ग में पड़ता है। साधु-संतों का कहना है कि यह धार्मिक आस्था से जुड़ी जगह है, यहां हिंदू धर्म के लोग परिक्रमा करते हैं, इसलिए यहां वैध और अवैध, दोनों तरह के खनन बंद होने चाहिए। इसी मांग को लेकर वे 551 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं।

संतों ने पहले भी प्रशासन को चेतावनी दी थी

आंदोलन कर रहे साधु-संतों की अगुआई कर रहे बाबा हरिबोल ने रविवार 17 जुलाई को आत्मदाह करने की चेतावनी दी थी। इसके बाद पुलिस बल धरना स्थल पर पहुंच गया था। उन्होंने कहा कि मेरी मृत्यु का समय अब निश्चित हो चुका है, जिसे कोई बदल नहीं सकता है। प्रशासन चाहे कितना ही पुलिस अमला लगा दे, 19 जुलाई को मेरा ब्रजभूमि की सेवा और रक्षा के लिए मरना तय है। मेरी मृत्यु की जिम्मेदार राजस्थान सरकार होगी।

लूट के आरोपी बदमाशों को 50 लाख रुपए लेकर छोड़ने वाले सस्पेंड

डीजीपी व आईजी तक शिकायत पहुंचने पर कोतवाल-हैडकांस्टेबल के खिलाफ कार्रवाई

अलवर पुलिस पर फिर लगा दाग, महेश शर्मा पर पहले भी लग चुके हैं आरोप

अलवर। अलवर पुलिस पर फिर दाग लगा है। कोतवाल महेश शर्मा व हेड कॉन्स्टेबल जान मोहम्मद ने लूट के आरोपी बदमाशों को पकड़ा। उनकी कार में 50 लाख मिले तो रकम लेकर बदमाशों को छोड़ दिया। दोनों ने रकम अपने पास रख ली और 8 दिन तक मामला दबाए रखा। गोपनीय सूचना के जरिए दोनों की शिकायत डीजीपी और आईजी तक पहुंच गई। दोनों को सस्पेंड कर दिया। अब तक पुलिस ने यह खुलासा नहीं किया है कि कार में कुल कितनी रकम थी। कोतवाल व हेड कॉन्स्टेबल ने कितनी-कितनी रकम आपस में बांटी। बंटवारे में और कौन लोग शामिल थे। अधिकारी कह रहे हैं रकम मोटी थी। 20 से 50 लाख रुपए तक हो सकते हैं। दोनों आरोपी पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर जांच विजिलेंस के एएसपी को को सौंपी गई है।

10 व 11 जुलाई की रात का मामला

एसएचओ और हेड कॉन्स्टेबल को सस्पेंड करने के बाद एसपी तेजस्वनी गौतम ने कहा कि मामला 10-11 जुलाई की रात का है। भरतपुर के जुरहरा के असलम सहित दो बदमाशों को कोतवाली पुलिस ने बख्तल की चौकी के पास पकड़ा था। बदमाशों की कार से मोटी रकम मिली थी। बाद में एसएचओ महेश शर्मा व हेड कॉन्स्टेबल जान मोहम्मद ने रकम अपने कब्जे में लेकर बदमाशों को छोड़ दिया। इस घटना की गोपनीय सूचना मिली।

इसके बाद दोनों के 19 जुलाई को सस्पेंड कर दिया। रकम लेकर एसएचओ 17 जुलाई को जन्मदिन के अवसर पर 3 दिन की छुट्टियां लेकर गांव चला गया। वहीं से जन्मदिन सेलिब्रेट करने का मैसेज किया। दूसरी तरफ हेड कॉन्स्टेबल जान मोहम्मद ईद के दिन भी ड्यूटी पर आया। अपराधी को पकड़ा और फिर एसएचओ को बताया। बाद में मिलकर रकम ले ली।

आईजी ने कहा अतिसंवेदनशील मामला

इस मामले में आईजी उमेश चंद्र दत्ता का कहना है कि यह अति संवेदनशील मामला है। अपराधी को पुलिस पकड़ती है और कार में मिली रकम लेकर छोड़ देती है। इस मामले की जांच विजिलेंस को दे दी है। आगे जांच में यह पता चलेगा कि कुल कितनी रकम थी। किसन-कितनी ली और कौन-कौन इसमें शामिल रहे। जांच के बाद सख्त एक्शन भी होगा। यह पुलिस की साख का सवाल है। जिसे धूमिल करने का काम किया गया है। जरूरत पड़ी तो आपराधिक मामला दर्ज करा आगे जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर लूट का आरोपी

एसपी ने बताया कि एक आरोपी ट्रैक्टर लूट का है। उसके साथ दूसरा अपराधी भी था। अभी जांच में आगे पूरा पता चल सकेगा। कुछ महीने पहले ही जान मोहम्मद को एक मामले में अच्छा कार्य करने पर गैलेंट्री प्रमोशन मिला था। वह कॉन्स्टेबलसे हेड कॉन्स्टेबल बनाया गया था। अब उसने इतना बड़ा कारनामा कर दिया।

पहले भी आरोप लगे महेश शर्मा पर

महेश शर्मा पर पहले भी आरोप लग चुके हैं। जब वे सदर थाने में थे। साइबर के मामले में लेनदेन के आरोप लगे थे। इसके बावजूद उनको सदर थाने से हटाकर कोतवाली में लगा दिया गया। यहां कोतवाली क्षेत्र में भी खुले में शराब व सटोरियों से लेन-देन की बातें सामने आती रही हैं। लेकिन पुलिस के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

पत्रकार को भी सूचना मिली थी

एसपी ने बताया कि इस मामले में अलवर के एक पत्रकार को भी सूचना मिली थी। जिसने जानकारी को छुपाए रखा। उनकी आगे भी कुछ भूमिका रहना बताया जा रहा है। जांच कर कार्यवाही होगी।

पुलिस ने ली गौहर चिश्ती के घर की तलाशी, कमरे से सामान जब्त

अजमेर। अजमेर दरगाह के बाहर भड़काऊ भाषण देने वाले गौहर चिश्ती के पुश्तैनी और निजी मकानों की बुधवार को तलाशी ली गई। इस दौरान भारी पुलिसबल के साथ गौहर चिश्ती को भी मौके पर लाया गया। गौहर के एक कमरे से कुछ दस्तावेज व सामान भी जब्त किया गया है। पुलिस ने फिलहाल इस मामले में कोई खुलासा नहीं किया है। पुलिस गौहर चिश्ती के साथ पन्नी ग्राम चौक स्थित पुश्तैनी मकान और सौदागर मोहल्ला स्थित उसके निजी मकान पर पहुंची। सौदागर मोहल्ला में गौहर के पास एक कमरा है। बाकी पूरी बिल्डिंग किराए पर दी गई है। ऐसे में उस कमरे में रखे दस्तावेज व अन्य सामान खंगाले। कुछ जब्त भी किए। साथ ही पन्नी ग्राम स्थित पुश्तैनी मकान पर भी पुलिस पहुंची। वहां भी तलाशी ली गई। आरोपी गौहर 22 तक पुलिस रिमांड पर है। वहीं, गौहर चिश्ती से पुलिस और जांच एजेंसियां रिमांड के दौरान पूछताछ कर रही है। 1 जुलाई को जयपुर से हैदराबाद तक उसके साथ गए अजमेर के युवक को भी पुलिस ने पहचान लिया है। उसे जांच के दायरे में लिया गया है। जल्द पुलिस जयपुर से हैदराबाद भिजवाने वाले सहयोगी के बारे में भी खुलासा कर सकती है। सूत्रों के अनुसार 16 जुलाई को एनआईए के सब इंस्पेक्टर अजय यादव और हैड कॉन्स्टेबल द्वारा क्रिश्यिन गंज थाने में गौहर चिश्ती से पूछताछ की गई। इसके साथ ही अजमेर एसपी चुनाराम जाटए एडिशनल एसपी विकास सांगवान भी देर शाम क्रिश्चियन गंज थाने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि गौहर चिश्ती से एनआईए ने उदयपुर हत्याकांड से संबंधित पूछताछ की है।

हैदराबाद से गौहर व शेल्टर देने वाला भी गिरफ्तार हुआ

बता दें कि पुलिस ने गौहर को हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। गौहर चिश्ती एक जुलाई को जयपुर से फ्लाइट लेकर हैदराबाद भाग गया था। पुलिस ने भेष बदलकर गौहर चिश्ती की रेकी की। कार्रवाई से पहले उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन हैदराबाद पुलिस के सहयोग से उसे दबोच लिया गया। गौहर चिश्ती को हैदराबाद में शरण देने वाले मोहम्मद अहसानुल्लाह को भी गिरफ्तार किया था। गौहर अहसानुल्लाह के घर में छुपा था।

मरुधर आवाज की सूचना

मरुधर आवाज NEWS
एक रास्ता सच्चाई की ओर
LIVE 24×7

क्या आपके क्षेत्र की समस्या को प्रशासन द्वारा किया जा रहा है नजरअंदाज ?

अब जनता की आवाज बनेंगे हम- मरुधर आवाज

आपके क्षेत्र की सभी छोटी बड़ी समस्याएं जिन्हें प्रशासन द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है

आप हमें बताए इस नंबर पर वॉट्सएप करे- 6367718601

मरुधर आवाज दैनिक हिंदी समाचार पत्र

संस्कृत क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों से 22 जुलाई तक मांगे आवेदन

राज्य स्तरीय संस्कृत दिवस पर संस्कृत विद्वानों का होगा सम्मान

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। राज्य में संस्कृत क्षेत्र के विकास में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्कृत विद्वानों का राज्य स्तरीय संस्कृत दिवस समारोह में सम्मान किया जाएगा। संस्कृत शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. भास्कर शर्मा ने बताया कि सम्मान प्राप्त करने के लिए संस्कृत विद्वानों से 22 जुलाई 2022 तक विभागीय ई-मेल dir-sans-rj@nic.in पर आवेदन मांगे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संस्कृत विद्वानों को यह सम्मान संस्कृत की विभिन्न चार श्रेणियों-संस्कृत साधना शिखर सम्मान, संस्कृत साधना सम्मान, संस्कृत विद्वत्सम्मान एवं संस्कृत युवप्रतिभा पुरस्कार 12 अगस्त को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय संस्कृत दिवस समारोह में दिए जाएंगे।

पीएम-किसान के लाभार्थी कृषक 31 जुलाई तक ई-केवाईसी सत्यापन करवाएं

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। रजिस्ट्रार, सहकारिता एवं स्टेट नोडल अधिकारी (पीएम-किसान), श्री मुक्तानंद अग्रवाल ने बताया कि पीएम-किसान योजना के सभी लाभार्थी कृषकों को 31 जुलाई, 2022 तक ई-केवाईसी सत्यापन कराया जाना अनिवार्य किया गया है ताकि लाभार्थी कृषक को योजनान्तर्गत लाभ सुचारू रूप से मिल सके। ई-केवाईसी के अभाव में कृषकों को आगामी किश्तों से वंचित रहना पड़ सकता है। श्री अग्रवाल ने बताया कि कृषकों को नजदीकी ई-मित्र केन्द्र पर जाकर आधार कार्ड के द्वारा बायोमेट्रिक प्रणाली से ई-केवाईसी सत्यापन पूर्ण कराना होगा। सभी ई-मित्र केन्द्र पर ई-केवाईसी के लिए शुल्क 15 रूपये प्रति लाभार्थी (कर सहित) निर्धारित किया गया है। आगामी किश्तों का लाभ ई-केवाईसी पूर्ण होने पर ही मिलेगा।

राजस्थान सरकार द्वारा उठाए गए कारगर कदमों के कारण सड़क दुर्घटनाओं में हुई 19 प्रतिशत की कमी-नीरज डाँगी, सांसद

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। राजस्थान से राज्यसभा सांसद श्री नीरज डाँगी ने संसद में कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा उठाये गये कारगर कदमों के परिणामस्वरूप वर्ष 2019 के मुकाबले वर्ष 2020 में सड़क दुर्घटनाओं में 19 प्रतिशत कमी आई है। डांगी ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों पर नजर डाली जाये तो राजस्थान सरकार के द्वारा उठाये गये कारगर कदम के कारण वर्ष 2019 में कुल 23480 सड़क दुर्घटनाओं के मुकाबले वर्ष 2020 में कुल 19114 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज हुई है। उन्होंने यह जानकारी सदन में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से संबंधित मामलों की चर्चा के दौरान दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर विगत तीन वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं में हुई वृद्धि, केन्द्र सरकार द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों के प्रति उदासीनता को दर्शाते हैं। श्री डाँगी द्वारा सदन में उठाये गये प्रश्न के प्रत्युत्तर में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में हुई वृद्धि को मानवीय त्रुटि, सड़कों की दशा, पर्यावरण और वाहनों की स्थिति पर निर्भर होना बताया। केंद्रीय मंत्री के तर्क पर श्री डांगी ने कहा कि ये सभी परिस्थितियां केन्द्र सरकार की नीतियों पर आधारित है तथा इन पर कारगर एवं नियमित कार्यवाही करके इनमें इनमें कमी लाई जा सकती है। उन्होंने सदन में बोलते हुए कहा कि बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु केन्द्र सरकार द्वारा सोशल मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया के माध्यम से सड़क सुरक्षा पर विभिन्न प्रचार, उपाय और जागरूकता अभियान और विभिन्न एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर सड़क सुरक्षा संबंधित योजनाओं को लागू किया गया है और केंद्र सरकार के द्वारा किए जा रहे इतने व्यय के बावजूद भी राष्ट्रीय स्तर पर सडक दुर्घटनाओं में कमी आने के बजाए बढोतरी हो रही है इस पर केंद्र सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

कनकांचल और आदि पर्वत को लेकर चल रहा धरना समाप्त, प्रदर्शनकारियों ने किया मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार व्यक्त

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच कई दौर की बातचीत के बाद बुधवार को समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करने के साथ ही कनकांचल और आदि पर्वत को वन क्षेत्र घोषित करवाने की मांग पर चल रहा धरना समाप्त हो गया है। पसोपा में पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह की उपस्थिति में प्रदर्शनकारियों ने यह घोषणा की तथा मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत का हार्दिक आभार व्यक्त किया। जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने पसोपा में साधु संतों और ग्रामीणों की उपस्थिति में समझौता पत्र पढकर सुनाया। पर्यटन मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत इस मुद्दे पर पहले दिन से ही संवेदनशील हैं तथा इस मुद्दे पर बेवजह की राजनीति कर गुमराह करना गलत है। किसी को गुमराह कर मोबाइल टावर पर चढने या स्वयं को आग लगाने के लिये उकसाना गम्भीर बात है। हर व्यक्ति की जान कीमती है। ऐसे कृत्यों को बढावा न दें। समझौते के अनुसार 12 अक्टूबर, 2021 को भरतपुर कलेक्टर द्वारा राज्य सरकार को भेजे गये प्रस्ताव के अनुसार कनकांचल और आदि पर्वत को 15 दिन के भीतर वन क्षेत्र घोषित करने की कार्रवाई की जायेगी। यहाँ स्थित खानों की लीज अन्य स्थान पर ट्रांसफर की जायेगी ताकि यहाँ रोजगार प्राप्त कर रहे लोगों का रोजगार प्रभावित न हो। आदि पर्वत व कनकांचल क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जायेगा। इससे पूर्व सम्भागीय आयुक्त श्री सांवरमल वर्मा, आईजी, भरतपुर रेंज श्री गौरव श्रीवास्तव, जिला कलेक्टर श्री आलोक रंजन और एसपी श्री श्याम सिंह ने प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधिमण्डल से कई दौर की वार्ता की, समझाइश की। इसके बाद इन चारों अधिकारियों ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये। प्रदर्शकारियों की ओर से गोपेश बाबा, राधा प्रिय, राधाकान्त शास्त्री, सुनील सिंह, हरीबोल बाबा, महन्त शिवराम दास, भूरा बाबा,, मुकेश शर्मा, मोहना, सुल्तान गुर्जर ने हस्ताक्षर किये।

आजादी की रेलगाडी और स्टेशन'' कार्यक्रम भीलवाड़ा स्टेशन पर जारी

स्वतंत्रता सेनानियों व उनके संघर्ष को किया जा रहा है याद

❐ मरूधर आवाज

भीलवाडा। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित किए जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ''आजादी की रेलगाडी और स्टेशन'' कार्यक्रम भीलवाड़ा स्टेशन पर जारी है। जिसके अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। भीलवाडा स्टेशन पर ऐतिहासिक तथ्यों को दर्शाने वाली फोटो प्रदर्शनी लगाई गई है। आजादी की रेलगाड़ी की पृष्ठभूमि में लोग सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी ले रहे है। देशभक्ति गीत व आजादी की गौरव गाथा स्टेशन पर सतत रूप से सुनाई जा रही है । बैनर फ्लेक्स आदि के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में स्थानीय योगदान और सेनानियों के बारे में बताया गया है ।

राजस्थान की प्रथम वर्चुअल कोर्ट का उद्घाटन

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति श्री एस.एस. शिंदे ने बुधवार को राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण एवं रजिस्ट्री के अधिकारियों की उपस्थिति में राजस्थान की प्रथम वर्चुअल कोर्ट का ई-उद्घाटन किया। इस दौरान जिला न्यायाधीश जयपुर मेट्रो, परिवहन विभाग एवं एनआईसी के अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित हुए। मुख्य न्यायाधिपति श्री शिंदे ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत छोटे यातायात अपराध के मामलों से निपटने के लिए ई-कोर्ट परियोजना के तहत वर्चुअल कोर्ट की एक नई अवधारणा पेश की गई है। इस अवधारणा का उद्देश्य अदालत में उल्लंघनकर्ता या अधिवक्ता की भौतिक उपस्थिति की अनिवार्यता को समाप्त करना और न्यायालय के समय एवं जनशक्ति की बचत करना है।

स्टीयरिंग कमेटी के अध्यक्ष न्यायाधिपति श्री अरूण भंसाली ने वर्चुअल कोर्ट की उपयोगिता और वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह कदम राजस्थान की न्यायिक व्यवस्था में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर न्यायाधिपति श्री मनीन्द्र मोहन श्रीवास्तव, प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री संदीप मेहता एवं जोधपुर तथा जयपुर के अन्य सभी न्यायाधिपतिगण ने भी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए वर्चुअल कोर्ट को आम जन के लिए एक बेहतर सोच बताया। उल्लेखनीय है कि इस व्यवस्था के तहत यातायात शाखा, जयपुर और जयपुर के विभिन्न पुलिस थानों से ऑनलाइन बनाये जाने वाले सभी चालान, ई-चालान के रूप में वर्चुअल कोर्ट में पेश होंगे। वर्चुअल कोर्ट उनके संबंध में ऑनलाइन ही न्यायिक आदेश पारित कर जुर्माना अधिरोपित कर सकेगी। आम व्यक्ति को मैसेज के माध्यम से उक्त आदेश की सूचना प्राप्त होगी और यह ऑनलाइन जुर्माना राशि जमा करा कर ई-चालान का निपटारा करवाया जा सकेगा। इस प्रक्रिया से न केवल पुलिस विभाग और न्याय विभाग को सहूलियत होगी, बल्कि आमजनता को भी काफी सुविधा होगी। जयपुर जिला के मोबाईल मजिस्ट्रेट न्यायालय क्रम-2 को वर्चुअल कोर्ट का प्रभार दिया गया है। इसके लिए ई-कोर्ट प्रोजेक्ट के तहत सॉफ्टवेयर भी बन चुका है, जिसका विभिन्न राज्यों में सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। राजस्थान उच्च न्यायालय प्रशासन द्वारा इस कोर्ट के सफल संचालन हेतु आवश्यक सभी व्यवस्थाएं भी पूर्ण कर ली गई हैं।

इस व्यवस्था का उद्देश्य है कि छोटे-छोटे मामले जिनका निस्तारण मात्र जुर्माना राशि जमा किये जाने पर ही हो सकता है, उसके लिए आम जनता को न्यायालयों मे आकर लम्बी न्यायिक प्रक्रिया से नहीं गुजरना पडे और न्यायालयों में इन प्रकरणों के दर्ज होने से निस्तारण होने तक की प्रक्रिया में लगने वाले समय को बचाया जाये। इस समय का उपयोग गंभीर एवं पुराने मामलों के निस्तारण के लिए किया जा सके। कार्यक्रम का संचालन श्री कुलदीप राव, ओएसडी ने किया। अंत में रजिस्ट्रार जनरल श्री सूर्यप्रकाश काकडा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने बुधवार को वक्फ बोर्ड मुख्यालय पर प्रदर्शन किया

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने बुधवार को वक्फ बोर्ड मुख्यालय पर प्रदर्शन किया मोर्चा ने आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड अपनी संपत्तियों पर अवैध कब्जे और नियम-विरुद्ध पट्टे दे रहा है। इस दौरान बोर्ड में वर्षों से काबि? समितियों को पुनर्गठित कर नई समितियां बनवाने और सरकारी फंड की बकाया राशि जारी करने की भी मांग की गई। हालांकि बोर्ड चेयरमैन ने इस प्रदर्शन पर कहा कि हमारे बोर्ड ने अवैध कब्जों को हटाने का काम किया। भाजपा के इतने बोर्ड रहे हैं एक ऑलपिन भी लगाई गई। हम कई विकास के काम कर रहे हैं। जो प्रदर्शन कर रहे हैं उननका भाजपा में कोई अस्तित्व नहीं हैं। ये तो मोहरे हैं, आरोप बेबुनियाद हैं मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान ने बताया कि साढ़े तीन साल में वक्फ बोर्ड को नेस्तनाबूद कर दिया है जिन प्रॉपर्टी के लिए कोर्ट से आदेश है कब्जा लीजिए, उसका कब्जा नहीं लिया जा रहा है भीलवाड़ा मामले में सरकार ने सही पैरवी नहीं की, जिसकी वजह से हार का सामना करना पड़ा। बोर्ड की 1638 प्रोपर्टी पर सरकार बैठी है 30 करोड़ रुपए किराया बाकी है, इसे चुकाइए अगर ये काम नहीं हुए तो पहले 21 सीट रह गई थी, अब 11 रह जाएंगी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद हुसैन खान ने कहा कि सरकार भूमाफिया से मिली हुई है जिसकी वजह से कोर्ट के आदेश के बावजूद इन जमीनों को खाली नहीं करवाया जा रहा है अल्पसंख्यक समाज का 90 प्रतिशत वोट कांग्रेस को जाता है, लेकिन आज तक इन्होंने कोई जनकल्याणकारी काम नहीं किया। इसलिए सरकार संपत्तियों को खाली करवाए नहीं तो बड़ा आंदोलन करेंगे। इस दौरान मोर्चा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सभी के हाथों में सरकार विरोधी तख्तियां दी प्रदर्शन में मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हामिद खान मेवाती सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

अधीनस्थ कनिष्ठ अभियंता फलियावास के पद पर राम देव सैनी ने पदभार ग्रहण किया

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। के बस्सी मे दिनांक 20 जुलाई 2022 को बिजली विभाग सहायक अभियंता कानोता के अधीनस्थ कनिष्ठ अभियंता फलियावास के पद पर राम देव सैनी ने पदभार ग्रहण किया और सभी कर्मचारियों की मीटिंग लेकर विद्युत उपभोक्ताओं को निवधि रूप से विद्युत आपूर्ति बनाए रखने व उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

महापौर अचानक पहुंची निगम मुख्यालय, दोनों गेट बंद कराए... 50 कर्मचारी ही मौके पर मिले

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। हैरिटेज नगर निगम में कर्मचारी मनमानी कर रहे हैं। न आने का समय है और न ही जाने का तभी तो महापौर मुनेश गुर्जर बुधवार को सुबह 9:45 बजे कार्यालय पहुंचीं और उसके बाद दोनों गेट बंद करवा दिए मुख्यालय में कार्यरत 400 में से 350 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। महापौर ने सभी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ओएसडी उम्मेद सिंह, रजिस्ट्रार विक्रम सिंह, कार्यालय अधीक्षक महिपाल सिंह चरण साथ रहे। लटके मिले ताले दो घंटे तक चले दौरे में कई कमरों के ताले तक नहीं खुले थे। वहीं, कुछ कमरों में एसी चलते मिले। इस पर महापौर ने नाराजगी व्यक्त की। महापौर ने राजस्व शाखा, गैराज शाखा, स्टोर, कार्मिक शाखा, प्रोग्रामर, नगर नियोजन, सतर्कता शाखा, पशु प्रबंधक, एनयूएलएम, विद्युत शाखा, प्रोजेक्ट शाखा, अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता, अग्निशमन शाखा में जाकर कर्मचारियों की उपस्थिति को देखा कर्मचारी समय पर नहीं आएंगे तो लोगों के काम कैसे होंगें जो अनुपस्थित थे, उनको नोटिस देने के निर्देश दिए हैं। यदि स्थिति में सुधार नहीं होता है तो और सख्त कार्रवाई की जाएगी विद्युत शाखा के अधीशासी अभियंता को निर्देश दिए हैं कि कर्मचारियों के होने पर ही कमरे में विद्युत उपकरणों को चालू रखा जाए।

खैरथल कस्बे में बारिश ने खोली नगरपालिका की पोल

वार्ड न.18 में भरा बरसात का पानी मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

❐ मरूधर आवाज

खैरथल कस्बे में बुधवार शाम आई तेज बरसात ने नगरपालिका की पोल खोल कर रख दी वार्ड न.16 वार्ड न. 18 में बरसाती पानी मकानों के अंदर जा घुसा विदित रहे कि नालों की चौड़ाई एवं नाला का रैम्प नगर पालिका द्वारा नहीं तोड़े जाने पर नाले का बरसाती पानी ओवरफ्लो होकर वार्डों में घुस जाता है कई बार इस संबंध में लोगों ने नगर पालिका प्रशासन को अवगत कराया गया परंतु नगर पालिका प्रशासन प्रभावशाली लोगों के आगे बोना बना हुआ है इस संबंध में वार्ड वासियों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र प्रेषित कर नाले का रैम्प एवं नाले की चौड़ाई करवाने एवं समस्या के समाधान की मांग की है।

सभी जिला वक्फ बोर्ड कमेटियों को तुरन्त भंग किया जाए: एम. सादिक खान

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा वक्फ मुख्यालय पर जोरदार विरोध प्रदर्शन

वक्फ संपतियों से कब्जा छोड़े राज्य सरकार

मुख्यमंत्री के इशारे पर टेंट नहीं लगाने दिया गया सैकड़ों अल्पसंख्यक कार्यकर्ता धूप एवं तेज गर्मी में तपती सड़क पर बैठे रहे

❐ मरूधर आवाज

जयपुर/दिलनवज अन्सारी। आज दिनांक 20, जुलाई, 2022 को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष एम सादिक खान के नेतृत्व में राजस्थान वक्फ बोर्ड कार्यालय जयपुर पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष एम सादिक खान ने अपनें चिर-परिचित अंदाज में वक्फ बोर्ड की कार्यगुजारी का भांडा फोड किया अल्पसंख्यक समाज को पिछले कई वर्षो से कांग्रेस सरकार चन्द अल्पसंख्यक समाज के लोगों को लॉलीपॉप देकर बेवकूफ बना रहीं हैं धरातल पर अल्पसंख्यक समाज के हितों के लिए कोई कार्य नहीं हुए और तो और अल्पसंख्यक लोगों के विभागों का बेड़ा गर्क कर रखा हैं। जिसमें वक्फ बोर्ड को ही देखें हमारे बाबाओं अजदाद ने अपनी जायदादो को लोगों की भलाई के लिए वक्फ को दी थीं उन वक्फ जायदादो की देखभाल वक्फ बोर्ड को करनी थीं मगर इसका उल्टा हो रहा हैं कहीं वक्फ जायदादो के पट्टे दियें जा रहें हैं तो कही अवैध निर्माण, व अवैध कब्जे करवायें जा रहें हैं । वर्षो पुराने किरायेदारो का नई किराया निति से किराया नही वसुला जा रहा है। वक्फ जायदादो की आमदनी का जरिया बढाया जायें ताकि अल्पसंख्यक समाज के बच्चो की फ्री कोचिंग दी जा सकें। जिसे काफी समय पहलें बन्द कर दिया गई। विधवा पेंशन चालु करें, गरीब बच्चों व बच्चियों की शादी में इमदाद बन्द कर दी गई उनको चालु किया जाये। अशोक गहलोत को चेताया की वक्फ बोर्ड के साथ न्याय करें। वक्फ जायदादो को सुरक्षित करें राज्य सरकार। मोर्चा प्रदेश महामंत्री हमीद मेवाती ने संबोधित करते हुए कहा कि अलवर भरतपुर में वक्फ बोर्ड की जमीनों पर हो रहें अवैध कब्जो के हटाने की मांग की और राजा हसन खां मेवाती की समाधि स्थल से कब्जा तुरन्त हटाया जाये। वक्फ बोर्ड द्वारा किरायेदार को वक्फ की जमीनो के पट्टे नगर निगम भरतपुर में दियें गये उन पट्टों को निरस्त किया जाये। वक्फ की पुरानी कमेटियों को निरस्त कर नई कमेटियों का गठन किया जायें। वक्फ की जमीनो पर सरकारी विभाग चल रहें है तकरीबन लगभग 30 करोड. किराया बकाया है, उसे अविलंब जमा कराया जायें। मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान ने संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर के मुस्लिम मुसाफिर खाने की कमेटी बदली जायें। वक्फ की जमीनो पर से अवैध कब्जे हटायें जायें वक्फ किराया निति के अनुसार वक्फ जायदादो से किराया वसूला जाये। कार्यालय मंत्री उस्मान खान चौहान ने आने वाले सभी कार्यकर्ताओ का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष फरमान अहमद, प्रदेश मंत्री आसिफ खान, शहजाद पठान, आसिफ नकवी, कोषाध्यक्ष अकरम कुरेशी, आईटी सेल सह-संयोजक मोहम्मद इरसाद हसनपुरा, श्रीमती सरोज खान जयपुर देहात उत्तर जिलाध्यक्ष अब्दुल सत्तार, जिलाध्यक्ष जयपुर दक्षिण इस्लाम नागौरी, जिलाध्यक्ष अलवर उत्तर सहरून खान, दौसा जिलाध्यक्ष एजाजुदीन, जयपुर शहर महामंत्री परवेज खान, फैसल कुरेशी, जिला उपाध्यक्ष हाजीब मुस्ताक हसनपुरा, फकरूदीन कुरैशी, फरहान कुरैशी, युनुष टाक, मुस्ताक खान एमडी रोड, सोकत कुरैशी, रसीद खान, नवाब कुरैशी, सलीम भाई, वहीद खान, शहीद अहमद, फारूख खान, मनसुफ खान, पुर्व हज कमेटी सदस्य मुशताक अहमद, साबिर कुरैशी, अकबर, इशतयाक, हनीफ, जलालुद्दीन, सलीम, इस्राईल, सिराजुदीन, निजाम भाटी, इसराईल देशवाली सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शुभ अवसर पर वृक्षारोपण व गौसेवा अवश्य करनी चाहिए- टीकमदास चंदनानी

❐ मरूधर आवाज

खैरथल, (अमित शर्मा)। खैरथल कस्बे में बुधवार को भाजपा ओबीसी प्रकोष्ठ की ओर से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में भाजपा ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष टीकमदास चंदनानी, समाजसेवी अर्जुनदास बाबानी, रामस्वरूप योगी गुरुजी, भाजपा ओबीसी मोर्चा मिडिया प्रभारी प्रकाश बाबानी, भामाशाह जितेन्द्र रोघा, भाजपा ओबीसी मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष जितेंद्र केवलानी एवं भाजपा ओबीसी प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं की ओर से कस्बे के मुख्य मुख्य स्थानों पर पौधारोपण कर कुल 101 छायादार व फलदार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया। इस दौरान गुरुनानक कॉलोनी में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष टीकमदास चंदनानी ने कहा कि जीवन में आने वाले किसी भी शुभ अवसर पर वृक्षारोपण व गौसेवा अवश्य करनी चाहिए। मानव जीवन पूर्ण रूप से स्वस्थ तभी होगा जब कदम कदम पर पौधे लगेंगे। समाजसेवी अर्जुनदास बाबानी ने कहा की पौधारोपण जीवन के लिए बेहद जरूरी है ऑक्सीजन देने वाले पौधों की महत्ता को दरकिनार नहीं किया जा सकता। हमें मुफ्त में ऑक्सीजन पेड़ पौधे ही देते हैं ।रामस्वरूप योगी ने भी सभी को प्रत्येक वर्ष पौधारोपण करने की सलाह दी। इस दौरान भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रत्येक सदस्य ने अपनी-अपनी जिम्मेदारी लेकर प्रत्येक पौधे को बचाने के साथ साथ पानी डालने की भी जिम्मेदारी ली है।

आनन्द सिंह तँवर ने उत्तर-पश्चिम रेल्वे के बीकानेर मण्डल महाप्रबन्धक को भेजा ज्ञापन

❐ मरूधर आवाज

रामदेवरा/ राजेन्द्र गोठवाल। बाबा रामदेव प्रचार परिषद के राष्ट्रीय संयोजक आनन्द सिंह तँवर ने उत्तर-पश्चिम रेल्वे के बीकानेर मण्डल महाप्रबन्धक को ज्ञापन भेजकर दिल्ली-बीकानेर गाड़ी का लालगढ जैसलमेर गाड़ी से मिलान करने केलिए समय पुन: निर्धारण करने की मांग की है। ज्ञापन में लिखा है कि दिल्ली सराय-रोहिला से बीकानेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस रात्रि 23:35 बजे रवाना होती है जो सुबह 07:25 बजे बीकानेर जंक्शन पहुंचती है। इस गाड़ी में दिल्ली सहित उत्तर भारत से बाबा रामदेवजी के दर्शनार्थी व जैसलमेर जाने वाले पर्यटक व सैनिक बीकानेर पहुंचते हैं। जैसलमेर केलिए लालगढ़ जंक्शन से सुबह 07:40 बजे गाडी रवाना होती है। बीकानेर जंक्शन से लालगढ रेल्वे स्टेशन दूर होने के कारण यात्री यह गाड़ी पकड़ नहीं पाते,जिससे यात्रियों को तो परेशानी होती है। रेल्वे भी राजस्व से वंचित हो रहा है। ज्ञापन में मांग की गई है कि जैसलमेर वाली गाड़ी को लालगढ की बजाय बीकानेर जंक्शन से चलाया जाए या फिर लालगढ से इस गाडी 20 मिनिट देरी से यानि 8:00 बजे चलाया जाए। यदि यह गाडी लालगढ से 8:00 बजे चलती है तो यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

विप्र सेना स्थापना दिवस के 3दिवसीय कार्यक्रम समपन्न

❐ मरूधर आवाज

भीलवाडा। 19जुलाई को विप्र सेना के द्वितीय स्थापना दिवस के अवसर पर विप्र सेना भीलवाडा के कार्यकर्ताओं के द्वारा 3दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया । प्रथम दिन मंगरोप रोड स्थित वृद्धाश्रम में भोजन व्यवस्था की गई । द्वितीय दिवस बच्चो में फल व बिस्किट वितरण किया एवं निराश्रित पशु गृह में गौ पूजन किया व गायों को चारा खिलाया गया । तृतीय दिवस आर.के. कॉलोनी स्थिति शिव साईं मंदिर में सहस्त्र धारा अभिषेक किया गया । विप्र सेना के जिलाध्यक्ष योगेश व्यास ने बताया की विप्र सेना गत 2वर्षों से न सिर्फ ब्राह्मण समाज बल्कि सनातन धर्म की रक्षा व हितों के लिए निरंतर कार्यरत है । विप्र सेना ब्राह्मण समाज को संगठित व जागरूक करने का कार्य कर रही है । स्थापना दिवस पर आज देश में करीब 150जगह समाज सेवा, गौ सेवा, धार्मिक व मानव सेवा के कार्यक्रम किये गए, भीलवा?ा मुख्यालय के साथ बने?ा, शाहपुरा, गुलाबपुरा, आसींद तहसील व गांवों में स्थापना दिवस के कार्यक्रम आयोजित किये गए । आने वाले समय समाज में शिक्षा, चिकित्सा सुविधा, सांस्कृतिक गतिविधियों का कार्य करेंगे। 3दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय ओझा, नीरज तिवा?ी, संजय पाराशर, दिनेश शर्मा, युवा अध्यक्ष दीपक पांडे, महिला जिलाध्यक्ष नीलम शर्मा, नितिका चतुर्वेदी, अनिता पारीक, पूजा शर्मा, मंजू तिवा?ी, सीमा शर्मा, तारा पंचोली, भारती उपाध्याय, रितु मिश्रा रहे ।

महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागिंयो को किया पुरस्कृत

❐ मरूधर आवाज

बेंगलुरू। दिनांक 20 जुलाई बुधवार को दर्शन सोशल एंड कल्चरल अकादमी द्वारा हंपी नगर स्थित ग्रंथालय मैं सांस्कृतिक कार्यक्रम समारोह में विजेता प्रतिभागियों को मारूति मेडिकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने प्रतिभागिंयो को पुरस्कृत कर धन्यवाद दिया ।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन

पशुपालन गतिविधियों के लिये ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित, 25 से 50 लाख तक मिलेगा अनुदान

❐ मरूधर आवाज

भीलवाडा। पशुपालन विभाग की ओर से उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय पशुधन मिशन में सार्थक भागीदारी के लिए इच्छुक उद्यमियों से पोल्ट्रीफार्म, मेमना व शुकर उत्पादन के अलावा चारा उद्यमिता संयत्र स्थापना आदि पशुपालन गतिविधियों के लिये ऑनलाईन आवेदन मांगे गये है। सरकार की पहल पर इसके लिये जिले में 50 नये प्रोजेक्ट स्थापित करने का लक्ष्य आवंटित किया गया है। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार पंचोली ने बताया कि प्रस्तावित योजना के तहत पात्रताधारी उद्यमियों को पूंजीगत लागत का 50 फीसदी हिस्सा SIDBI द्वारा अनुदान के रूप में दो समान किश्तों में दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि अनुदान की अधिकतम सीमा उद्यम के अनुसार भिन्न-भिन्न तय की गयी है जो 25 से 50 लाख के बीच होगी।

आवेदन के लिए यह होंगे पात्र

भीलवा?ा पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. पंचोली ने बताया कि प्रोजेक्ट लगाने के लिए आवेदन निजी व्यक्ति, स्वयं सहायता समूह, कृषक सहकारी संगठन (एफ.सी.ओ.), कृषक उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ), संयुक्त देयता समूह (जेएलजी), धारा 8 के अन्तर्गत पंजीकृत कम्पनियां(गैर लाभकारी) आवेदन कर सकती है।

आवेदन के लिए योग्यता

आवेदन की योग्यता के तहत वहीं आवेदन कर सकता है जो संबधित उद्यम के क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव एवं प्रशिक्षण अथवा प्रशिक्षित व्यक्ति की सेवाएं उपलब्ध हो । इसके अलावा बैंक से ऋण स्वीकृति की पात्रता रखता हो। स्वयं की भूमि अभवा लीज पर भूमि उपलब्ध हो। केवाईसी से संबंधित सभी दस्तावेज उपलब्ध हो।

ऐसे करना होगा आवेदन

भारत सरकार के पोर्टल (www.nlm.udyamitra.in ऑनलाइन आवेदन एवं विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। सभी आवश्यक दस्तावेज-आवेदक का पेनकार्ड, जीएसटी पंजीकरण प्रमाण-पत्र, निगमन प्रमाण-पत्र(यदि कम्पनी हो),पार्टनरशीप डीड (यदि पार्टनरशीप फर्म हो), पते का प्रमाण-पत्र, गत तीन वर्ष का आयकर विवरणी (यदि लागू हो), गत छ: माह का बैंक स्टेटमेन्ट, निरस्त चेक एवं बैंकमेन्डेट फोर्म, विस्तृत प्रोजेक्ट रिपार्ट (DP]), भूमि दस्तावेज, प्रोजेक्ट स्थल का फोटोग्राफ, आवेदक की हिस्सा राशि का प्रमाण-पत्र, संबद्ध किसानों का विवरण, प्रोजेक्ट स्थल की जीआई , ऑनलाइन अपलोड किये जाने वाले समस्त दस्तावेज आवेदक द्वारा स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए। ये सभी दस्तावेज आवेदन के साथ इसी पोर्टल पर अपलोड करने होंगे। आवेदक को आवेदन पत्र की स्थिति पोर्टल के माध्यम से ज्ञात होती रहती है।

इन गतिविधियों के लिए मांगे ऑनलाइन आवेदन

एक हजार पॉल्ट्री पक्षियों के पेरेन्ट फार्म की स्थापना, चूजों के उत्पादन हेतु हैचरी एवं चूजों के पालन-पोषण के लिए ब्रूडर मदर इकाई, मेमनों के उत्पादन के लिए 500 मादा और 25 नर भे? या बकरी के प्रजनन फार्म, शुकर उत्पादन के लिय 100 मादा एवं 10 नर शुकर के प्रजनन फार्म, चारा उद्यमिता के तहत साईलेज चारा ब्लॉक बनाने की इकाई और कुल मिश्रित राशन (टी.एम.आर.) के लिये संयत्रों की स्थापना के लिए आवेदन मांगे गए है।

जमकर बरसे बदरा, पानी के बहाव में बही मोटरसाइकिल

❐ मरूधर आवाज

जहाजपुर (आज़ाद नेब)। नगर में आज अब तक की सबसे तेज बारिश होने से रोड़ पर पानी ही पानी हो गया दुकानों के बाहर सड़क पर खड़ी एक मोटरसाइकिल भी पानी के बहाव में बहती दिखी। यह मोटरसाइकिल बहने की घटना नगर के चमन चौराहे की बताई जा रही है। नगर के शरीर पठान, शहजाद चीता ने पानी में बहती हुई मोटरसाइकिल का विडियो भेजकर यह जानकारी दी है। इनका कहना था कि चमन चौराहे के आसपास की बस्ती पहाड़ से सटी हुई है जिससे पहाड़ी का पानी नालियों से ओवरफ्लो हो सड़क पर बहता ओर अत्यधिक मात्रा में बरसात होने पर ही ऐसा होता है।

लेकिन आज भारी बारिश के चलते पानी का बहाव सड़क पर तेज़ होने से मोटरसाइकिल के अलावा भी कई सामान इस बहाव में बहते दिखें।

उच्चतम तकनीक से जिंक संयंत्र के विस्तार से मिलेगें नए अवसर

❐ मरूधर आवाज

महेन्द्र धाकड/ चित्तौड़गढ। हिन्दुस्तान जिंक के चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर में कारखाना विस्तार हेतु जनसुनवाई आजोलिया का खे?ा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर पर आयोजित हुई। जनसभा का आयोजन राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया गया। प्रशासन की ओर से जिला कलक्टर अरविन्द कुमार पोसवाल, क्षेत्रीय अधिकारी ओपी गुप्ता, उपखंड अधिकारी गंगरार रामसुख गुर्जर ने ज़िंक के संयंत्र के विस्तार पर ग्रामीणों के विचार रिकॉर्ड व कलमबद्ध किये। हिन्दुस्तान जिंक के मुख्यकार्यकारी अधिकारी स्मेल्टर्स सी चंद्रु ने बताया कि चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर के विस्तार पर लगभग 786 करोड रूपये नियोजित होगें। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित विस्तार परियोजना से बाजार में लेड और जिंक की ब?ती मांग की पूर्ति करने में मदद मिलेगी जिससे देश के आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। कंपनी सहायक विकास और सहायक बुनियादी ढांचे सहित क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों को ब?ाकर आसपास के क्षेत्रों में विकास करेगी। चंद्रु ने बताया कि सामाजिक सुविधाओं का विकास चिकित्सा सुविधाओं, वंचितों को शिक्षा और स्वयं सहायता समूहों के गठन के रूप में होगा। इस विस्तार से राज्य को कर के रूप में राजस्व प्राप्त होगा और स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होगें। स्थानीय समुदाय के लिए व्यापार के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि संयंत्र के विस्तार में किसी प्रकार की नयी जमीन या जल की आवश्यकता नही होगी। संयंत्र का विस्तार, उत्पादन बढाने के लिये आवश्यक है। इस पर सभी ने संयंत्र के विस्तार हेतु सहमति जताते हुए, स्थायी ग्रामीणों को रोजगार में प्राथमिकता देने, क्षेत्र के शिक्षित युवाओं को अधिक से अधिक जिंक कौशल विकास केंद्र से जोडकर रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की। जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने हिन्दुस्तान जिंक के सीएसआर कार्यक्रमों से उन्हें जोड कर अधिक से अधिक लाभान्वित करने की बात कही। ग्रामीणों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा विकास हो, जिससे उनके जीवन स्तर में और अधिक सुधार हो सके।

भाजपा मंडल सेखाला कि बैठक आयोजित

❐ मरूधर आवाज

सेखाला/खुशाल राम लखानी। भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री रामसिंह इन्दा कि अध्यक्षता मे सेखाला भाजपा मंडल की बैठक का आयोजन भालू राजवां मे किया गया ,जिसमे अध्यक्ष रामसिंह इन्दा ने मोदी सरकार के आठ साल मे हुए जन हितैषी कार्यो की जानकारी दी गई ,मोदी सरकार का कार्यकाल सफलतम रहा तथा विदेशो मे भारत पुनर्विश्व गुरू बनने की ओर अग्रसर है। विकास के नये आयाम स्थापित कर दिये, हर घर मकान ,शौचाल व हर घर जल उपलब्ध करवाकर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया गया।

बैठक मे उदयपुर कन्हैयालाल हत्याकांड की कडेशब्दो मे भर्तसना की गई , राजस्थान सरकार व ह्द्ध से इससे जुडे सभी आरोपियो व दोषियो को कडी कडी से सजा दिलाने की मांग की गई।

चामुण्डा माता मंदिर मे पूजा अर्चना कर क्षैत्र मे सुख शांति ,अच्छी वर्षा व सुकाल की कामना की गई ।

उपस्थित सदस्यो न पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर मंडलअध्यक्ष रामसिंह इन्दा ,नाथूसिह केतू कलां बेरीसाल सिंह केतु कला देवी सिह राजवां,नखता राम जाखड़,भैरूसिह उप सरपंच भालू रतनगढ, पप्पू राम दमामी सेखाला सहीत दो दर्जन से अधिक पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्त् उपस्थित रहे।

लक्ष्य प्राप्ति में बाधक कारणों को पहले दूर करें प्रो करुणेश सक्सेना

एनसीसी शिविर में दिए मोटिवेशनल टिप्स,कैडेट ने पहाड़ियों की करी ट्रैकिंग

❐ मरूधर आवाज

भीलवाड़ा। स्थानीय पांच राज स्वतंत्र कंपनी द्वारा आयोजित एनसीसी एटीसी कैंप के पांचवे दिन पांसल स्तिथ एस टेक विद्यालय में कैडेट के लिए मोटिवेशनल टॉक रखा गया! कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संगम विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो करुणेश सक्सेना ने अपने विचार रखे तथा छोटे छोटे उदाहरण के द्वारा 450 कैडेट को लक्ष्य प्राप्ति तथा सफलता के गुर सिखाए!प्रो सक्सेना ने बताया की प्रत्येक कैडेट को खुद का स्वॉट (स्ट्रेंथ,वीकनेस, ऑपर्चूयुनिटी,थ्रेट्स) विश्लेषण करना चाहिए !कार्यक्रम में समाज सेवी विवेक धाकड़ ने भी अपने विचार रखे तथा अनुशासित जीवन की महत्ता बताई! अन्त में एनसीसी कमान अधिकारी लेफ्टीनेंट कर्नल तेजेंद्र शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा शिविर की रूपरेखा से !इस अवसर पर एस टेक विद्यालय के डायरेक्टर राघव तोतला,प्रो के सी तोतला,लेफ्टीनेंट राजकुमार जैन,लेफ्टीनेंट संजय गोधारा,लेफ्टीनेंट ताबिश,नारायण सिंह,गिरीश शर्मा, ओम प्रकाश,गगन पत्रिया सुबेदार जसपाल सिंह,अवतार सिंह आदि उपस्थित थे !कैंप में लगभग 500 कैडेट ने एस टेक के पहाड़ियों पे ट्रैकिंग भी करी तथा पहाड़ियों में एनसीसी तथा भारत माता के नारे लगाए!

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की भीलवाड़ा शाखा में प्रथम फोरेक्स सेन्टर का हुआ शुभारंभ

❐ मरूधर आवाज

भीलवाड़ा। बैंक ऑफ महाराष्ट भीलवाड़ा की प्रथम फोरेक्स सेन्टर का शुभारंभ मुख्य अतिथि बैंक ऑफ महाराष्ट के कार्यपालक निदेशक श्री आशीष पाण्डेय तथा जिला कलक्टर श्री आशीष मोदी ने फीता काटकर किया । बैंक ऑफ महाराष्ट के कार्यपालक निदेशक श्री आशीष पाण्डेय ने बताया कि भीलवा?ा शाखा में प्रथम फोरेक्स सेन्टर की स्थापना की गई है। पूर्व में स्थानीय कंपनियों को जयपुर जाना प?ता था। इसके कारण एक-दो दिन का नुकसान होता था। अब छोटे से छोटा कस्टमर या ब?ा कस्टमर भी ट्रांजैक्शन कर सकता है। इस अवसर पर जयपुर अंचल के अंचल प्रबंधक श्री संतोष दुल?, जयपुर अंचल के उपअचंल प्रबंधक श्री मुकेश कुमार शर्मा, भीलवा?ा शाखा के शाखा प्रबंधक श्री अरविन्द जुनेजा, आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड के सीएफओ श्री अविनाश भार्गव, लग्नम स्पिनटेक्स लिमिटेड चेयरमैन श्री डी.पी.मंगल, लग्नम स्पिनटेक्स लिमिटेड के एमडी श्री आनंद मंगल सहित भीलवा?ा इंडस्ट्री के पदाधिकारी मौजूद रहे।

रावत को मिली डाक्टरेट उपाधि

मगरे क्षेत्र में खुशी की लहर

❐ मरूधर आवाज

भीम (लोकेशसिंह)। रावत समाज के होनहार युवा विजय सिंह रावत ने नर्सिंग में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त कर समाज व क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है श्री रावत ने अपना शोध श्री जे जे टी विश्विद्यालय झुंझुनूं के डॉक्टर अब्दुल लतीफ के निर्देशन में पूरा किया इनका विषय Effective ness of music therapy in reducing preoperative an&iety among patient undergoing general Orthodo& surgery in selected hospitals at udaipur था । रावत वर्तमान में पेसिफिक नर्सिंग कॉलेज उमरडा उदयपुर में पिछले 15 वर्षों से प्रिंसिपल के रूप में अपनी सेवायें दे रहे हैं। रावत राजपूत महासभा में शिक्षा समिति में अध्यक्ष राजसमंद सर्किल के अध्यक्ष के रूप से भी जुड़े हुए हैं ,युवाओं को नर्सिंग कैरियर के रूप में अपना मार्गदर्शन देते हैं। रावत एक समाजसेवी के रूप में जरूरतबन्ध छात्रों की मदद करते है। रावत दिवेर के पास छोटे से गांव बस्सी के मूलनिवासी ह ,इनके पिता नाहर सिंह भी सेवानिवृत्त अध्यापक है,इनकी धर्म पत्नी पिस्ता कवर राजस्थान पुलिस में अपनी सेवाएं दे रही है। रावत की इस शानदार उपलब्धि पर समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया व शुभकामनाएं दी।

12वीं बोर्ड कला वर्ग में भारती सवाई माधोपुर ब्लॉक में प्रथम

सवाई माधोपुर। 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खटुपुरा की छात्रा भारती बाई पुत्री कैलाश चंद्र रेगर ने सवाई माधोपुर ब्लॉक में 94.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सवाई माधोपुर ब्लॉक में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं गांव का नाम रोशन किया है। विद्यालय का बोर्ड परीक्षा परिणाम 12वीं कक्षा का 100 प्रतिशत रहा है। इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम विगत 10 वर्षों से लगातार सो प्रतिशत रहा इस वर्ष कक्षा 12वीं की परीक्षा में 56 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे जिनमें से 55 परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी एवं एक द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुआ है। विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवचरण मीणा एवं विद्यालय का स्टाफ विद्यालय के बोर्ड परीक्षा परिणामों को लेकर विगत कई वर्षों से निरंतर कठिन परिश्रम कर श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देकर विद्यालय एवं गांव का नाम रोशन कर रहा है। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक भागचंद सैनी ने बताया कि विद्यालय का नामांकन भी श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम रहने की वजह से निरंतर ब?ता जा रहा है इस वर्ष का नामांकन अभी 650 छात्र-छात्राओं का है तथा अभी प्रवेश चालू है।

सम्पादकीय

एक नए शीत युद्ध की आती आहट

यूक्रेन पर रूस के हमले के चार महीने पूरे हो रहे हैं। अब यह स्पष्ट है कि युद्ध छिड़ने से पहले रूस के जो लक्ष्य थे, वे पूरे नहीं होंगे। संभवत- रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यह नहीं सोचा था कि यूक्रेन सरकार और जनता इतनी मजबूती से उनकी सेनाओं का मुकाबला करेगी और अमेरिका व नाटो देश उनकी हरसंभव मदद करेंगे। अब रूस के लक्ष्य सीमित रह गए हैं- पूर्वी यूक्रेन यानी डोनबास के इलाके पर पूर्ण कब्जे के साथ- साथ दक्षिण यूक्रेन में ओशकिव और काले सागर (ब्लैक सी) के तट पर नियंत्रण। अभी तो लगता यही है कि रूस इस मंशा में कामयाब हो जाएगा, हालांकि यह साफ नहीं है कि ओडेसा बंदरगाह पर वह किस तरह का रुख अपनाएगा?सवाल यह है कि इस युद्ध का रूस, यूरोप व शेष दुनिया पर क्या असर पड़ेगा और, रूस अपने सीमित लक्ष्य की क्या कीमत चुकाएगा? राष्ट्रपति पुतिन यही मानते हैं कि रूस की यूक्रेन में ऐतिहासिक भूमिका थी, जिसके चलते कीव को यह अधिकार नहीं था कि वह पश्चिम के पाले में, खासकर नाटो के साथ चला जाए। अभी ऐसा नहीं लगता कि आने वाले वर्षों में यूक्रेन नाटो का सदस्य बन सकेगा, लेकिन स्वीडन और फिनलैंड की सदस्यता नाटो के देश अंतत- स्वीकार करेंगे, जिसका रूस की सामरिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यानी, अपनी सामरिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जिस जंग में रूस ने हाथ डाले, वही अब उसके हाथ जला रही है। रूस के सामने एक और समस्या है, जो नाटो के देशों द्वारा यूक्रेन को दिए जाने वाले समर्थन से पैदा होगी, और लंबे वर्षों तक चलेगी। नाटो के देश अब भी यूक्रेन को युद्ध सामग्री दे रहे हैं, और वे इतनी मात्रा में यह मुहैया कराते रहेंगे कि स्थिति सामान्य नहीं हो सकेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जल्द ही यूक्रेन को एक अरब डॉलर की अतिरिक्त सैन्य मदद देने का एलान किया है। कहा जा सकता है कि रूस जिस प्रकार से 1980 के दशक में अफगानिस्तान के दलदल में फंस गया था, उसके लिए ठीक वही स्थिति नाटो के देश, खासतौर से अमेरिका अब यूक्रेन में पैदा करना चाहता है। बहरहाल, यूक्रेन पर आक्रमण से यूरोप की सामरिक स्थिति तो बदली ही, विश्व की आर्थिक स्थिति भी चरमरा गई है। विशेषकर ऊर्जा आपूर्ति पर बुरा असर पड़ा है, जिसके कारण कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के दाम अत्यधिक बढ़ गए हैं। इसका बुरा असर भारत पर भी पड़ रहा है। इसके अलावा, यूक्रेन से काफी मात्रा में गेहूं का निर्यात होता है और पश्चिमी एशिया के देश व अफ्रीका इसी गेहूं पर निर्भर हैं। इन दिनों यह आपूर्ति बंद है, जिसके कारण संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के गेहूं पर निर्भर देशों को भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है। भारत ने भी गेहूं का निर्यात रोक दिया है, लेकिन विश्व खाद्य कार्यक्रम से यह अपील भी की है कि वह 'गवर्नमेंट टु गवर्नमेंट' (सरकारी एजेंसियों, विभागों और संगठनों के बीच) गेहूं की आपूर्ति की इजाजत दे। यह एक अच्छा कदम है। उधर, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर बात की, जिसका ब्योरा देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय ने बताया है कि बीजिंग रूस की संप्रभुता और सामरिक नजरिये के पक्ष में है। इस आश्वासन से पुतिन को फिर से राहत मिली होगी, क्योंकि जिस प्रकार से रूस पर पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं, उसके कारण आर्थिक दृष्टि से उसे चीन की जरूरत है। यानी, वह जितनी ऊर्जा का आयात रूस से कर रहा है, उसे वह बढ़ाए। साथ ही, अन्य सामग्रियों के आयात में भी कटौती न करे। खबर भी है कि चीन ने रूस से तेल का आयात बढ़ा दिया है और यह एक साल पहले के स्तर से 55 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। अब सऊदी अरब को पछाड़ते हुए रूस चीन में तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की यह भंगिमा इसी का संकेत है कि चीन अमेरिका की नीतियों का हर सूरत मुकाबला करना चाहता है। हां, यह सच है कि भारत ने भी इस हमले की निंदा नहीं की है, पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारतीय प्रतिनिधियों के बयानों से स्पष्ट है कि नई दिल्ली इसे गलत मानती है। पहले भारत जहां रूस के सामरिक नजरिये का जिक्र किया करता था, वहीं 24 फरवरी, यानी यूक्रेन पर हमले की शुरुआत वाले दिन से उसने ऐसा करना बंद कर दिया है। नई दिल्ली ने जोर देकर कहा है कि अंतरराष्ट्रीय मसलों का समाधान कूटनीति व बातचीत से ही निकाला जाना चाहिए। इसमें किसी भी देश की संप्रभुता का हनन नहीं होना चाहिए और न ही सीमाओं का उल्लंघन। इसके उलट, चीन अब भी रूस के सामरिक नजरिये की चर्चा करता है। दरअसल, वह रूस की दुविधा का फायदा उठाना चाहता है। उसके रुख से जाहिर है कि वह अमेरिका और नाटो देशों का परोक्ष रूप से मुकाबला करने के लिए आगे बढ़ रहा है। देखा जाए, तो आज की सबसे बड़ी वैश्विक समस्या अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्द्धा ही है। चीन की मंशा रूस की उन कमजोरियों से लाभ कमाने की है, जो इस युद्ध के कारण उत्पन्न होंगी। उधर, अमेरिका भी यह जानता है कि यूरोप के देशों पर वह इतना दबाव नहीं बना सकता कि वे रूस से ऊर्जा लेना पूरी तरह बंद कर दें। इसलिए वह रूस पर प्रतिबंध तो बढ़ाएगा, लेकिन इतना ज्यादा भी नहीं कि रूस विवश होकर कोई ऐसा खतरनाक कदम उठा ले, जिससे विश्व शांति को खतरा पैदा हो जाए। रूस-यूक्रेन युद्ध का विश्व व्यवस्था पर असर पड़ना लाजिमी है। यह भी लगता है कि दुनिया एक नए शीत युद्ध की तरफ बढ़ेगी, जिसमें एक तरफ अमेरिका और उसके यूरोप व एशिया के मित्र राष्ट्र होंगे, तो दूसरी तरफ चीन व रूस। इस परिस्थिति में भारत को लचीली कूटनीति का प्रयोग करना होगा। भारत के हित रूस के साथ भी हैं और पश्चिम के देशों के साथ भी। साथ ही, नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी सामरिक चुनौती चीन है। इसलिए भारत को एक संतुलित नीति अपनानी होगी। इसके साथ-साथ, हमें दुनिया को यह संदेश भी देना होगा कि भारत स्वतंत्र विदेश नीति का पोषण कर रहा है और वह अमेरिकी खेमे में नहीं जाने वाला।

> **यूक्रेन पर रूस के हमले के चार महीने पूरे हो रहे हैं। अब यह स्पष्ट है कि युद्ध छिड़ने से पहले रूस के जो लक्ष्य थे, वे पूरे नहीं होंगे। संभवतः रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यह नहीं सोचा**

प्रदूषित होती नदियां...मनुष्य पर पड़ रहा असर

पिछले कुछ दशकों से नदियों में प्रदूषण कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ा है। यह गंभीर चिंता की बात इसलिए भी है कि इसका सीधा असर मनुष्य पर पड़ रहा है। अगर नदियां प्रदूषित हो जाएंगी और बचेंगी ही नहीं तो धरती पर हम रह कैसे पाएंगे। आज जिस तरह के हालात हैं और ज्यादातर नदियां प्रदूषण की मार झेलती हुई अपने दिन गिनती दिख रही हैं, वह बड़ी चेतावनी है। भारतीय संस्कृति में आदिकाल से ही नदियों का विशेष महत्त्व रहा है। माना जाता है कि प्रात- पवित्र नदियों का स्मरण करने से मनुष्य को जीवन में सफलता मिलती है। यों भी सभ्यता के विकास में नदियों का अप्रतिम योगदान रहा है। भारतीय संस्कृति में तो वैसे भी नदियों को देवी के समकक्ष माना गया है। गंगा सहित अनेक नदियों की उत्पत्ति को देवताओं से जोड़ा गया है। नदियों के प्रवाह को दिव्य शक्तियों के अस्तित्व संबद्ध करने के मूल में मंतव्य कदाचित यही रहा होगा कि हम नदियों की महत्ता को स्वीकार करें। मानव सभ्यता का विकास भी नदियों के किनारे ही हुआ। कालांतर में भी पानी की सहज उपलब्धता के कारण ही नदियों के किनारे बसी बस्तियों की बनावट घनी होती गई। धीरे-धीरे यही बस्तियां बड़े शहरों का रूप लेती गईं। पृथ्वी पर मौजूद समस्त जल स्रोतों में से सनतानवे फीसद से अधिक हिस्सा खारे पानी का है और शेष में से अधिकांश हिमखंड के रूप में जमे हुए हैं। इन्हीं जमे हुए जल स्रोतों से अधिकांश प्रमुख नदियां निकली हैं। धरती की आबादी का एक बड़ा हिस्सा पीने के पानी की उपलब्धता के लिए नदियों पर ही निर्भर है। यही कारण है कि प्राचीन काल में नदियों के प्रवाह की शुचिता को बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाता था। क्या कोई विश्वास करेगा कि ज्योतिष की एक सामान्य मान्यता के अनुसार नदियों के पानी में गंदगी डालने वाले व्यक्ति को मातृऋण का श्राप मिलता है। इस मान्यता का मनोवैज्ञानिक तथ्य यही है कि लोग नदियों के पानी में गंदगी प्रवाहित नहीं करें। लेकिन हमने पारंपरिक मान्यताओं को नकार दिया और परिणाम यह हुआ कि जिन नदियों को कभी इतना पवित्र माना जाता था कि उनमें स्नान मात्र से ही जन्मों के पाप धुल जाने की मान्यताएं बलवती थीं, उन्हीं नदियों का पानी इतना प्रदूषित हो गया कि उनका पानी पीने लायक भी नहीं बचा। इस स्थिति के मूल में दो अतिवादी कारण रहे। अत्यधिक तार्किक हो जाने की जिद में हमने परंपराओं को समझने की कोशिश करने के बजाय उनका अंधानुसरण प्रारंभ कर दिया। प्राचीनकाल में नदियों पर बने पुल से गुजरने वाले यात्री नदियों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करने के लिए नदी के जल में कुछ सिक्के डाल दिया करते थे। यह वह दौर था जब सिक्के तांबे या चांदी के बने होते थे। तांबे और चांदी में पानी को शुद्ध करने का स्वाभाविक गुण रहता है। यानी प्रतीकात्मक तौर पर मनुष्य नदी-जल की शुचिता को कायम रखने के अनुष्ठान में अपना आंशिक योगदान दे देता था। लेकिन जब सीसे या अन्य धातुओं के सिक्के ढलने लगे, तब भी हमने नदी में सिक्कों को डालना जारी रखा। नदियों से जुड़ी पाप धोने की मान्यता भी उनके प्रदूषण का कारण बन गई। कोरोना काल में अधजले या बिन जले हजारों शव नदियों में बहा दिए गए। कल्पना कीजिए कि उससे नदी जल कितना दूषित हुआ होगा? पिछले कुछ दशकों से नदियों में प्रदूषण कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ा है। यह गंभीर चिंता की बात इसलिए भी है कि इसका सीधा असर मनुष्य पर पड़ रहा है। अगर नदियां प्रदूषित हो जाएंगी और बचेंगी ही नहीं, तो धरती पर हम रह कैसे पाएंगे? आज जिस तरह के हालात हैं और ज्यादातर नदियां प्रदूषण की मार झेलती हुई अपने दिन गिनती दिख रही हैं, वह बड़ी चेतावनी है। कुछ समय पहले विज्ञान और पर्यावरण केंद्र के एक सर्वेक्षण में पता चला कि भारत की अधिकांश नदियों के जल में सीसा, कैडमियम, आर्सेनिक, निकल, क्रोमियम, लोहे और तांबे की मात्रा खतरनाक स्तर पार कर गई है। इस सर्वेक्षण में एक सौ सत्रह नदियों और सहायक नदियों में फैले एक चौथाई निगरानी केंद्रों पर लिए गए नमूनों में दो या दो से अधिक जहरीली धातुओं के उच्च स्तर पाए गए। इस प्रदूषण के लिए खनन, कबाड़ उद्योग और धातु संबंधी विविध उद्योगों द्वारा परिवेश में मुक्त की गई जहरीली धातुएं तो जिम्मेदार हैं ही, हमारी आधुनिक जीवन शैली भी इसके लिए कम जिम्मेदार नहीं है।गंगा जैसी नदी, करीब ढाई हजार किलोमीटर के अपने कुल बहाव क्षेत्र की शुरुआत में ही प्रदूषित होना शुरू हो जाती है। उत्तराखंड के साढ़े चार सौ किलोमीटर के प्रवाह में ही एक दर्जन से अधिक नाले पैंतालीस करोड़ घन लीटर से अधिक गंदा पानी गंगा में सतत उंडेलते हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में यही बर्ताव इस पवित्र नदी को सहना पड़ता है। गंगा को दुनिया की सर्वाधिक प्रदूषित दस नदियों में एक पाया गया है। एक अन्य अध्ययन में पाया गया है कि दुनिया की जो नदियां समुद्र तक सर्वाधिक कचरा ले जाती हैं, उनमें गंगा नदी भी एक है। सोचिए, जिस नदी को जीवनदायिनी कहा गया है, उस नदी के साथ समुद्र तक जाने वाला अपशिष्ट पर्यावरण और जलीय जंतुओं के स्वास्थ्य पर क्या असर डाल रहा होगा? जब गंगा जैसी नदी का यह हाल है तो दूसरी नदियों के दुख का अनुमान तो सहज ही लगाया जा सकता है। यमुना में उठने वाले सफेद झाग उसके प्रदूषण की कहानी कहते हैं। कभी झारखंड की जीवनरेखा मानी जाने वाली दामोदर नदी का पानी आज इतना प्रदूषित हो चुका है कि स्वयं पर्यावरण विभाग के अनुसार उसका पानी कई स्थानों पर पीने योग्य नहीं है। सुवर्णरेखा नदी को कभी झारखंड की गंगा कहा जाता था, लेकिन अब वह नहाने लायक भी नहीं रह गई है।मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमरकंटक में ही नर्मदा सबसे ज्यादा मैली है। अमरकंटक और ओंकारेश्वर जैसे तीर्थों के किनारे नर्मदा के जल में क्लोराइड और घुलनशील कार्बन डाई आक्साइड का स्तर खतरनाक हो गया है। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल को हरा-भरा रखने वाली एक दर्जन से ज्यादा नदियां दम तोड़ने की हालत में हैं। गोमती, पीलीनदी, मगई, गड़ई, तमसा, विषही, चंद्रप्रभा, सोन नदी आदि की हालत खस्ता है। दरअसल, पवित्र नदियों के तट पर होने वाले कुछ समारोहों और अनुष्ठानों ने भी पानी की पवित्रता से कम खिलवाड़ नहीं किया है, क्योंकि हम पूजा सामग्री या पूजा में प्रयुक्त होने वाली मूर्तियों को नदी में यह सोच कर प्रवाहित कर देते हैं कि उन्हें पानी में प्रवाहित करने से पाप नहीं लगेगा। ऐसा करते समय हम भूल जाते हैं कि इस सामग्री को तैयार करने में प्रयुक्त किए गए रसायन या कुछ खास तत्व पानी का दम घोंटने का काम करते हैं।जहरीली धातुओं के अलावा नदियों के पानी में रासायनिक दवाओं के कारण भी प्रदूषण बुरी तरह बढ़ रहा है। दुनिया के सभी महाद्वीपों के एक सौ चार देशों की दो सौ अट्ठावन नदियों पर एक शोध में यह बात सामने आई। इस शोध में दुनिया के सौ से ज्यादा वैज्ञानिक शामिल थे। आश्चर्य की बात यह है कि नदियों के पानी में मिर्गी रोधी दवा कार्बमेंजपाइन, डायबिटीज की दवा मेटफॉर्मिन और कैफीन सहित विविध दवाओं के तत्व खतरनाक मात्रा में पाए गए। ये तत्व नदियों में मानव अपशिष्ट के साथ, बिना उपचारित सीवरेज के साथ, नदी किनारे जमा किए गए कचरे के साथ अथवा दवा बनाने वाली कंपनियों के उपचार रहित अपशिष्ट के साथ पहुंचे। उन्नीस फीसदी स्थानों पर शोधकर्ताओं ने नदी जल में जैव प्रतिरोधियों की उपस्थिति खतरनाक स्तर पर पाई है। पर्यावरण के लिए यह भी एक नए वैश्विक खतरे के तौर पर उभर रहा है। भारत के नमूनों में कैफीन, निकोटिन, एनाल्जेसिक, एंटीबॉयटिक्स, एंटी डिप्रेसेंट्स, एंटी डायबिटिक, एंटी अलर्जी दवाइयां मिली हैं। नदियों में दवाइयों के कारण बढ़ रहा प्रदूषण भी संवेदनशील लोगों को डराने लगा है, क्योंकि यह प्रदूषण अप्रत्यक्ष तौर पर करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकता है।

> **गोमती, पीलीनदी, मगई, गड़ई, तमसा, विषही, चंद्रप्रभा, सोन नदी आदि की हालत खस्ता है। दरअसल, पवित्र नदियों के तट पर होने वाले कुछ समारोहों और अनुष्ठानों ने भी पानी की पवित्रता से कम खिलवाड़ नहीं किया है, क्योंकि हम पूजा सामग्री या पूजा में प्रयुक्त होने वाली मूर्तियों को नदी में यह सोच कर प्रवाहित कर देते हैं कि उन्हें पानी में प्रवाहित करने से पाप नहीं लगेगा।**

शिवसेना में बगावत... यह तो होना ही था

हिंदुत्व को अपनी राजनीति का आधार बताने वाली शिवसेना ने राकांपा और कांग्रेस के पाले में जाकर अपनी विचारधारा से मुंह ही मोड़ा। इसके चलते वह हर गुजरते दिन के साथ अपनी साख गंवाती जा रही थी। इसे शिवसेना के समर्थक कार्यकर्ता और नेता भी महसूस कर रहे थे। शिवसेना में बगावत को लेकर हैरानी नहीं। जब शिवसेना ने विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद भाजपा से नाता तोड़कर अपने धुर विरोधी दलों- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई थी, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि यह बेमेल सरकार अधिक दिनों तक चलने वाली नहीं। वास्तव में तब यह भी साफ हो गया था कि इस विचित्र प्रयोग की सबसे बड़ी कीमत शिवसेना को ही चुकानी पड़ेगी। वैसे तो सत्ता के लोभ में पहले भी परस्पर विरोधी दल एक साथ आते रहे हैं, लेकिन शिवसेना ने राकांपा और कांग्रेस के साथ जाकर अपने उस आधार को अपने ही हाथों खिसकाने का काम किया, जिस पर उसकी समस्त राजनीति केंद्रित थी। हिंदुत्व को अपनी राजनीति का आधार बताने वाली शिवसेना ने राकांपा और कांग्रेस के पाले में जाकर अपनी विचारधारा से मुंह ही मोड़ा। इसके चलते वह हर गुजरते दिन के साथ अपनी साख गंवाती जा रही थी। इसे शिवसेना के समर्थक, कार्यकर्ता और नेता न केवल महसूस कर रहे थे, बल्कि यदा-कदा व्यक्त भी कर रहे थे, लेकिन मुख्यमंत्री की कुर्सी के लालच में उद्धव ठाकरे इस सबकी अनदेखी करते रहे। वह ऐसे कई निर्णय भी करते रहे, जो शिवसेना के मूल चरित्र से बिल्कुल भी मेल नहीं खाते थे। हद तो तब हो गई, जब ऐसे फैसलों का बचाव करते हुए शिवसेना नेताओं की ओर से बाल ठाकरे के विचारों को भी खारिज करने की कोशिश की गई। यह सत्ता की भूख का ही नतीजा था कि शिवसेना कांग्रेस नेताओं की ओर से उन वीर सावरकर के अपमान की भी अनदेखी करती रही, जिन्हें वह अपना प्रेरणास्रोत बताती है। फिलहाल यह कहना कठिन है कि महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार के वरिष्ठ मंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के विधायकों ने जो बगावत की, उसका परिणाम क्या होगा, लेकिन यह सरकार रहे या बचे, उद्धव ठाकरे की मुश्किलें कम होने वाली नहीं हैं। महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में सब कुछ ठीक नहीं, इसका एक प्रमाण हाल में पहले राज्यसभा चुनाव में मिला और फिर विधान परिषद के चुनाव में। यह दिलचस्प है कि जब महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार गहरे संकट में है, तब इस सरकार के गठन में प्रमुख भूमिका निभाने और उसके फैसलों को प्रभावित करने वाले राकांपा प्रमुख शरद पवार कह रहे हैं कि शिवसेना में बगावत उसका आंतरिक मामला है। इसके पहले कांग्रेस की ओर से यह कहा जाता रहा है कि वह अगला चुनाव अपने दम पर लड़ेगी।

स्विस बैंक : विदेशों में क्यों धन जमा करते हैं भारतीय

देश में जितना काला धन पैदा होता है, उसका दस प्रतिशत बाहर जाता है, बाकी 90 प्रतिशत काला धन देश में ही रहता है। इसलिए अगर हमें काले धन पर अंकुश लगाना है, तो देश में ही उस पर लगाम लगानी चाहिए। अगर बाहर भेजे गए काले धन को पकड़ना चाहेंगे, तो उसमें विफलता ही मिलेगी, क्योंकि सरकार को भी ठीक-ठीक पता नहीं कि कितना काला धन बाहर गया है और उसे कहां रखा गया है।

हाल में खबर आई है कि स्विस बैंकों में भारतीयों के जमा धन में भारी इजाफा हुआ है। वर्ष 2021 में भारत के लोगों और संस्थाओं की स्विस बैंकों में कुल जमा राशि 30,500 करोड़ रुपये थी। यह 14 साल के उच्च स्तर पर है। स्विस बैंकों ने यह जो जानकारी दी है, वह वैध धन है, काला धन नहीं। विदेशों में या स्विस बैंक में भारतीयों का कितना काला धन जमा है, इसका पता लगाना टेढ़ी खीर है। अपने देश से जिस माध्यम से काला धन विदेशों में जाता है, उसे हम लेयरिंग कहते हैं। लेयरिंग में लोग देश से काला धन हवाला, आयात या निर्यात में अंडर इनवॉयसिंग तथा ओवर इनवॉयसिंग के जरिये किसी टैक्स हेवन देश में किसी शेल कंपनी में डाल देते हैं। फिर वहां उस शेल कंपनी को बंद करके किसी दूसरे टैक्स हेवन देश में नई शेल कंपनी बनाकर उसमें पैसा लगा देते हैं। इस तरह से छह चरणों में पैसे निकालते, डालते हुए अंत में स्विट्जरलैंड भेजते हैं। ऐसे में छह स्तर होने पर छह शेल कंपनियां बनती और बंद होती हैं, जिसका पता लगाना बहुत मुश्किल होता है। सरकार अगर चाहे भी तो एकाध स्तर तक ही पता लगा पाती है, उससे आगे पता नहीं लग पाता है। लेयरिंग की इस प्रक्रिया में जहां से आखिरी बार स्विट्जरलैंड में पैसा जाता है, स्विट्जरलैंड सरकार उसे उस देश का पैसा मान लेती है। जैसे कि जर्सी आइलैंड से पैसा स्विट्जरलैंड गया है, तो वह मान लेगी कि यह पैसा ब्रिटिश है, भारतीय नहीं है, क्योंकि जर्सी आइलैंड ब्रिटेन का है। इसलिए उसे भारतीय धन में नहीं गिना जाता है। स्विट्जरलैंड के बैंकों में जो पैसा है, वह सबसे ज्यादा (30 लाख 62 हजार करोड़ रुपये) ब्रिटिश पैसा है, क्योंकि ब्रिटेन के पास सबसे ज्यादा टैक्स हेवन हैं। इसलिए स्विट्जलैंड की सरकार कहती है कि हमारे यहां सबसे ज्यादा पैसा ब्रिटेन से आया है। जबकि सबसे ज्यादा काला धन रूस, यूक्रेन, भारत आदि देशों में पैदा होता है। वास्तव में जो वैध धन होता है, स्विस बैंक उसकी ही गिनती बताते हैं। सरकार अगर चाहे भी, तो वह पैसा वापस नहीं ला सकती, क्योंकि आयातकों और निर्यातकों पर सरकार का उतना दबाव नहीं होता कि वैध धन को विदेशों से देश में लाया जाए। अगर यह काला धन नहीं है, तो फिर भारत के लोग स्विस बैंकों में पैसा क्यों जमा करते हैं? इसकी कई वजहें हैं। जब भी अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता की स्थिति पैदा होती है, तो लोग अपने धन को डायवर्सिफाइ (अलग-अलग जगहों पर जमा करना) करते हैं, इससे उनका जोखिम कम हो जाता है। जैसे कि मान लीजिए कि इस बात का खतरा है कि रुपया गिरेगा, तो वे अपना धन फॉरेन एक्सचेंज के माध्यम से स्विस बैंकों में जमा कर देंगे। जो निर्यातक हैं, वे अपना पैसा देर से लाएंगे, जब अर्थव्यवस्था में स्थिरता आएगी और रुपये के गिरने का खतरा कम हो जाएगा। और जो आयात करने वाले हैं, वे अपना पैसा इसलिए विदेशी बैंकों में जमा रखते हैं, क्योंकि उन्हें आयात बिल भरना होता है। अन्यथा रुपये का मूल्य गिरने पर उन्हें भारी घाटा होगा। इस तरह से आयातक और निर्यातक यह अनुमान लगाकर कि रुपया कमजोर होने पर हमें घाटा हो सकता है, अपना वैध पैसा विदेशी बैंकों में जमा करते हैं। इसके अलावा रिजर्व बैंक की लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) है, जिसके तहत कोई भी हर साल ढाई लाख डॉलर देश के बाहर ले जा सकता है। उसके चलते भी बहुत से लोग अपना वैध धन स्विस बैंकों में या कहीं और जमा करते हैं। स्विस बैंकों में भारतीयों की जमा राशि बढ़ने का संकेत यह है कि लोगों को लग रहा है कि अर्थव्यवस्था की स्थिति थोड़ी कमजोर हो रही है। इस बीच, एक और बात हुई है, हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स (एचएनडब्ल्यूआई) देश छोड़कर जा रहे हैं। एक रिपोर्ट आई थी कि वर्ष 2014 से 2017 के बीच में देश से 23,000 हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स देश छोड़कर विदेश चले गए। वर्ष 2018 में पांच हजार एचएनडब्ल्यूआई देश छोड़कर चले गए। सुनने में यह भी आ रहा है कि बीते एक साल में नौ हजार एचएनडब्ल्यूआई देश छोड़कर चले गए हैं। जाहिर है, जब वे बाहर रहेंगे, तो अपनी संपत्ति का एक हिस्सा बाहर ही रखेंगे। अभी देश का जो माहौल है, उसमें कई अति समृद्ध लोगों को यह भय है कि पता नहीं कब सरकार कौन-सा दबाव बनाए या सख्ती करे, इसलिए वे देश छोड़कर विदेशों में बसने जा रहे हैं। अपने सामाजिक माहौल और निवेश माहौल में जो अनिश्चितता का दौर चल रहा है, उसके कारण भी हो सकता है कि लोगों ने अपना और ज्यादा वैध धन स्विस बैंकों में जमा किया हो। दो तरीके से देश से विदेशों में पैसा जाता है। एक तो वैध तरीके से और दूसरा काले धन के रूप में। मेरा अनुमान है कि इस समय देश में काले धन की जो अर्थव्यवस्था है, वह जीडीपी का साठ प्रतिशत है। देश में जितना काला धन पैदा होता है, उसका दस प्रतिशत बाहर जाता है, बाकी 90 प्रतिशत काला धन देश में ही रहता है। इसलिए अगर हमें काले धन पर अंकुश लगाना है, तो देश में ही उस पर लगाम लगानी चाहिए। अगर बाहर भेजे गए काले धन को पकड़ना चाहेंगे, तो उसमें विफलता ही मिलेगी, क्योंकि सरकार को भी ठीक-ठीक पता नहीं कि कितना काला धन बाहर गया है और उसे कहां रखा गया है। इस संबंध में जो आंकड़े मिलते हैं, वे चोरी के आंकड़े होते हैं। जैसे कि बैंकों के डाटा को हैक करके आंकड़ा बाहर निकाला जाता है, लेकिन वास्तविक आंकड़ा पता नहीं चलता है, क्योंकि उसे छिपाकर रखा जाता है। इसके अलावा, जो काला धन बाहर जाता है, उसका तीस से चालीस प्रतिशत राउंड ट्रिपिंग के जरिये वापस चला आता है। राउंड ट्रिपिंग का मतलब यह है कि कोई व्यक्ति या कंपनी विभिन्न स्रोतों से धन किसी टैक्स हेवन देश में भेजती है और फिर वहां से अन्य स्रोत से अपनी भारतीय कंपनी में निवेश करा लेती है।

पुलिस थाना सायला में महिला सुरक्षा सखी की बैठक आयोजित

❐ मरूधर आवाज

जालोर सायला। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशानुसार श्रीमती कौशल्या जांगि? तहसीलदार एवं ध्रुव प्रसाद थानाधिकारी सायला की मौजूदगी में बुधवार को पुलिस थाना सायला में सुरक्षा सखी की मीटिंग आयोजित की गई जिसमें थाना हल्का क्षेत्र से महिला सुरक्षा सखी के सदस्य उपस्थित हुए मीटिंग में महिला सुरक्षा के सबन्ध में जागरूकता लाने एवं किसी महिला के साथ कोई अप्रीय घटना घटित होने पर तुरंत पुलिस थाने में सूचित्त करने के बारे में जानकारी दी गई व महिला की सुरक्षा एवं उनके कानूनों के बारे में भी जानकारी दी गई ।

मुख्यमंत्री क्षेत्रीय विकास योजना के संबंध में बैठक आयोजित

कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

❐ मरूधर आवाज

जालोर। जिला कलक्टर निशांत जैन की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री बजट घोषणा वर्ष 2022-23 के अनुरूप मुख्यमंत्री क्षेत्रीय विकास योजना के संबंध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला कलक्टर निशांत जैन ने योजना के उद्देश्य अनुरूप आधारभूत संरचनाएं व ग्रामीण विकास के संबंध में चर्चा करते हुए ग्राम स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा, स्वास्थ्य, ग्रामीण आंतरिक स?के, रोशनी, शिक्षा आदि क्षेत्र में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए विभिन्न विभागों की योजनाओं के अभिसरण पर विशेष बल दिये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना में विभिन्न आधारभूत विकास कार्यों को लेकर जन सहभागिता को प्रोत्साहित करने की बात कही। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार वासु सहित जिले के समस्त विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

भीनमाल थाने में महिला सुरक्षा की बैठक आयोजित

❐ मरूधर आवाज

भीनमाल। जिला पुलिस अधीक्षक जालोर के निर्देशानुसार भीनमाल पुलिस थाने में पुलिस उप अधीक्षक सीमा चोपडा के सुपरविजन में थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह चम्पावत के नेतृत्व में थाना परिसर भीनमाल में उप निरीक्षक भेरू सिंह सोलंकी के द्वारा महिला नोडल आधिकारी महिला कॉस्टेबल अनिता की मौजूदगी में थाना स्तर पर मनोनित महिला सुरक्षा सखी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें साइबर अपराध एवं एवं बारिश के मौसम में बच्चों की सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गईं।

हमें अपने जीवन को पापों से मुक्त बनाने के लिए सत्संग का श्रवण अनिवार्य हैः संत रामप्रकाश

❐ मरूधर आवाज

बेंगलुरू। सीरवी समाज ट्रस्ट एच .एस. आर लेआउट की ओर से सदुरू गुलाबदास सेवा संस्थान जोधपुर के संस्थापक संत रामप्रकाश का चातुर्मास प्रवेश एस.एच आर लेआउट समाज भवन में हुआ। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में रामप्रकाश ने कहा की चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन परमात्मा का स्मरण एंव सत्संग करने से आध्यात्मिक उर्जा प्राप्त होती है ।हमें अपने जीवन को पापों से मुक्त बनाने के लिए सत्संग का श्रवण अनिवार्य है । इस अवसर पर अध्यक्ष फाउलाल परिहारिया ने बताया की ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालुओं को समाज भवन मे आकर सत्संग का लाभ लेना चाहिए । इस अवसर पर अध्यक्ष फाऊलाल परिहारीया सचिव लक्ष्मण राम आगलेचा ,मांगीलाल सोलंकी केनाराम मुलेवा, नवयुवक मंडल के सदस्य एंव महिला मंडल से बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थी ।

आपसी रंजिश में काट दिए थे नाक-कान

पकड़ा गया मुख्य आरोपी, धारदार हथियार बरामद

❐ मरूधर आवाज

जोधपुर। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने गत माह पीपाड़ के निकट आपसी रंजिश में एक व्यक्ति के नाक व कान काट मारपीट के बाद सड़क पर फेंकने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उससे नाक.कान काटने में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया गया है। जोधपुर ग्रामीम एसपी अनिल कयाल ने बताया कि दांतीवाड़ा क्षेत्र के विश्नोइयों की ढाणी निवासी रामप्रकाश पुत्र कुनाराम विश्नोई ने पीपाड़ पुलिस थाने में 28 जून को उपस्थित होकर माला दर्ज कराया कि 23 जून को वह पीपाड़ में अपनी दुकान को बंद कर रात को गांव दांतीवाड़ा लौट रहा था। पीपाड़ से निकलते ही धर्माराम पुत्र भाकरराम, हेतराम पुत्र भैराराम, बनवारीलाल पुत्र प्रतापाराम, बशीलाल पुत्र रूपाराम व रामसिह उर्फ रामा पुत्र हीराराम ने बोलेरो गाड़ी लेकर उसका पीछा कर उसे रोक लिया। इन लोगों ने उसके साथ मारपीट की। साथ ही नाक-कान काट दिया। उसकी मोटरसाइकिल को क्षतिग्रस्त कर उसका अपहरण कर ले गए। बाद मेंउसे हाइवे पर पटक कर भाग निकले। कयाल ने बताया कि जिला जोधपुर ग्रामीण में थाना पीपाड़शहर में मारपीट कर नाक कान काटने की घटना को गंभीरता से लिया गया। पीपाड़ पुलिस ने जुड़ गांव निवासी दर्मराम को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से इस वारदात में प्रयुक्त धारदार हथियार व बोलेरो को बरामद कर लिया गया है। इस मामले में शामिल उसके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र खारिज

❐ मरूधर आवाज

सवाई माधोपुर। सवाई माधोपुर जिला पॉक्सो न्यायालय ने नाबालिग पीड़िता के साथ छेड़खानी व दुष्कर्म के आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया। विशिष्ट लोक अभियोजक अनिल कुमार जैन ने बताया कि लगातार 4-5 वर्ष से नाबालिग को परेशान करने तथा दुष्कर्म करने, वीडियो बनाने तथा वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देने, परिजनों को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मनराज मीणा पुत्र घनश्याम मीना निवासी बगडोली थाना बौंली को पुलिस ने 23 जून को गिरफ्तार किया था। आरोपी तब से ही न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा था।

लावारिस जीप से 242 किलो 600 ग्राम डोडा पोस्त, देशी कट्टा व 4 कारतूस बरामद

❐ मरूधर आवाज

जालोर। रामसीन-भीनमाल रोड पर थूर गांव के पास भारी बारिश के कारण लगे जाम को खुलवाने गई रामसीन थाना पुलिस ने लावारिस खड़ी बिना नम्बरी एक थार जीप से 242 किलो 600 ग्राम डोडा पोस्त, एक देशी कट्टा और 4 कारतूस बरामद कर एनडीपीएस व आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। जालोर एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि मंगलवार को थानाधिकारी रामसीन अवधेश सांन्दू मय जाब्ता धूर तिराहे के पास भारी बारिश की वजह से लगे जाम को खुलवा रहे थे। इसी दौरान एक बिना नम्बरी थार जीप लावारिस हालत में खड़ी मिली। आस पास चालक की तलाश की गई। लेकिन वहां कोई नहीं मिला। सन्दिग्ध लगने पर तलाशी ली गई तो अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त से भरे कट्टे व अवैध हथियार मय कारतूस मिले।

बरामद मादक पदार्थ मय हथियार के थार जीप जब्त कर अज्ञात के विरुद्ध एनडीपीएस एवं आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। अज्ञात तस्कर की तलाश की जा रही है।

पीजी दिखाने के बहाने युवती से गैंगरेप

विजिटिंग कार्ड से मिला था नंबर

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। टोंक की एक युवती को जयपुर में पीजी दिखाने के नाम पर दो युवकों ने दुष्कर्म किया। पीड़िता ने 30 मई को दीनदयाल और लीलाधर ने उसे पीजी पर कमरा दिखाने के लिए जयपुर बुलाया था। यहां पर कमरा दिखाने के बाद दोनों आरोपी उसे गोपालपुरा बाईपास स्थित एक होटल में ले गए। जहां पर आरोपियों ने युवती के साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर बजाज नगर थाना पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। इस मामले की जांच आरपीएस राज कवर को दी गई है। राज कवर महिला अपराध अनुसंधान सेल जयपुर ईस्ट में एसीपी के पद पर तैनात हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कल 161 के बयान दर्ज किये हैं।

पीड़िता नहीं बता पा रही कौन से होटल में हुआ दुष्कर्म- जांच अधिकारी ने पीड़िता के 161 के बयान दर्ज कर लिए हैं। युवती को गोपालपुरा स्थित कई होटलों में पुलिस लेकर गई लेकिन युवती बता नहीं पा रही है कि कौन सा होटल है। युवती टोंक की रहने वाली है। जयपुर में पहली बार ही कमरा देखने के लिए आई थी। युवती को आरोपियों के नम्बर एक विजिटिंग कार्ड से मिले। जिस पर युवती ने फोन कर आरोपियों से कहा कि उसे जयपुर में एक पीजी चाहिए। जिस पर आरोपियों ने उसे जयपुर बुलाकर पीजी दिखाए। इसके बाद आरोपियों ने उसे होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को पीछे से मारी टक्कर

2 घंटे सड़क पर ही पड़ा रहा शव, लोगों ने लगाया जाम

❐ मरूधर आवाज

टोंक। पचेवर स्टेट हाइवे 37 ए पर केरिया गांव मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने एक बाइक सवार को पीछे से टक्कर मारी दी। वही हादसे में बाइक पर सवार बरोल निवासी नन्दा गुर्जर पुत्र श्योजी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी अनुसार ट्रेलर ग्रेनाइट पत्थर से भरा हुआ था।बाइक सवार व्यक्ति मालपुरा से अपने गांव बरोल की तरफ जा रहा था। इस दौरान घटना स्थल पर लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो गई।साथ ही लोगों ने घटना की जानकारी मालपुरा व पचेवर पुलिस व एंबुलेंस को दी। सड़क दुर्घटना के दो घंटे बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची, जिससे आक्रोशित लोगों ने स्टेट हाइवे पर झाड़ियां लगाकर जाम लगा दिया, जिससे सड़क मार्ग पर करीब दो किलोमीटर तक वाहनों का जाम लग गया। इधर, सूचना पर पचेवर पुलिस ने ट्रेलर को जब्त करते हुए चालक को हिरासत में ले लिया। घटना स्थल पर पचेवर थाना अधिकारी रतन सिंह तंवर मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे।जहां पर पुलिस की लापरवाही को लेकर आक्रोशित लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।लोगों ने शव को सड़क से उठाने के लिए मना कर दिया।जिसके बाद मौके से थाना अधिकारी तंवर ने घटना की जानकारी पुलिस के आला अधिकारियों को दी।

दो घंटे बाद मौके पर पहुंची पुलिस व एंबुलेंस

सड़क हादसे के दो घंटे बाद मालपुरा थाना पुलिस पहुंची।सूचना मिलने पर मालपुरा पुलिस उप अधीक्षक सुशील मान घटना स्थल पर पहुंचे। जहां पर आक्रोशित लोगों ने मालपुरा पुलिस पर सूचना मिलने के बाद मौके पर नहीं पहुंचे के साथ लापरवाही करने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को घटना के बारे में जानकारी दी।सीओ सुशील मान ने लोगों से समझाइश करते हुए जाम खुलाने का प्रयास किया, फिर भी आक्रोशित लोगों ने जाम को नहीं हटाने दिया। पुलिस की लापरवाही के कारण स्टेट हाइवे पर करीब चार घंटे तक जाम में वाहन फंसे रहे। स?क दुर्घटना में बाइक सवार बरोल निवासी नन्दा गुर्जर पुत्र श्योजी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस उप अधीक्षक सुशील मान व तहसीलदार जीआर बैरवा ने लोगों से समझाइश करते हुए उचित कानूनी कार्रवाई के साथ मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया।

सड़क पर ही शव का किया पोस्टमार्टम

सड़क हादसे में नन्दा गुर्जर की मौत की सूचना मिलने पर मृतक के परिवार से सरपंच हनुमान गुर्जर व अन्य परिजन मौके पर पहुंचे।जहां पर सड़क दुर्घटना को लेकर पुलिस ने आक्रोशित लोगों से समझाइश करते हुए सड़क पर शव का पोस्टमार्टम करवाया,जिसके बाद पुलिस ने करीब तीन घंटे बाद जाम को खुलवाने के बाद वाहनों का आवगमन शुरू हुआ।

बालिकाओ व महिलाओ को सिखाये आत्म रक्षा के गुर

बाप में सात दिवसीय प्रशिक्षण का असयोजन

❐ मरूधर आवाज

श्रवणसिंह बावडी/ बाप। थाना क्षेत्र की बालिकाओ व महिलाओ को पुलिस कॉनस्टेबल सुमन ने आत्म रक्षा के गुर के सात दिवसीय शिविर में कराटे सिखाते बाप में कहा कि महिलाएं हिमत से काम ले।उनके साथ कोई अनहोनी घटना होने पर जोर जोर से चिल्ला कर मदद मांगे।बदमाश लोगों से सावधान रहें।सुमन ने घरो में अकेली होने पर किसी अनजान व्यक्ति को घर मे नही आने देने की बात कही ।फेरी वाले लोगों से सामान नही खरीदने की सलाह दी।सुमन ने कहा कि बाहरी व्यक्ति का परिचय पत्र देखे उनसे ज्यादा सम्बन्ध नही ब?ये। उंन्होने हाथ ,पाव से मारने के कुछ टिप्स कराटे बताते कहा कि हमे डरना नही चाहिए।घबराकर हम मैदान नही छो? ।सुरक्षा प्रबंधन पर सुमन ने खास बात कही की हम घरो में लाठी रखे।अपने घर की जानकारी अनजान को नही दे।मोबाइल फोन से ठगिया बहुत हो रही है किसि के झांसे में नही आये।फ्रॉड काल आते है उनकी सूचना पुलिस में दे।मोबाइल पर मित्रता खतरनाक हो सकती है इसलिए सावधानी रखें। पुलिस सखी सुमित्रा विजय कुमावत ने महिलाओ से अपील की की वे आत्म रक्षा के प्रशिक्षण ले तथा मोहलौ में बालिकाओ को मजबूत बनाये।बालिकाओ को शारीरिक रूप से सुदृढ बनाये।मोहलौ में घटित होने वाली घटनाओ पर ध्यान रखे तथा पुलीस की मदद करे।ये थी उपस्थित आंगनबा?ी कार्यकर्ता विजय लक्ष्मी, पूर्णा कुमावत, रमा, निकिता, जशोदा, धनी,माया ,मनीषा, दीपिका,बेबी,पूजा, मूली ,कविता,जशिका, मंजू आदि ।ऐसे शिविर अलग अलग स्थानों पर आयोजित हो रहे है।

खनन में खो गई इंसानियत

हरियाणा में डीएसपी की मौत तो राजस्थान में साधु ने लगाई खुद को आग

जयपुर (पत्रकार कमलेश शर्मा की कलम से स्पेशल रिपोर्ट)

जनता के सुख- दुख मे अपनेपन का स्वाग रचाने वाले चंद नेताओं की शह ने आज इंसानियत को खनन की खान में दफनाने का काम शुरू कर दिया है. हरियाणा में डीएसपी की दर्दनाक मौत तो भरतपुर जिले में जलता साधु इस बात का गवाह है कि खनन माफियाओं के हौसलों के आगे सब कुछ नश्वर है. फिर क्या शासन और क्या प्रशासन ! खनन माफियाओं द्वारा हरियाणा में हुई डीएसपी की मौत को 24 घंटे भी पूरे नहीं हुए थे कि राजस्थान के भरतपुर जिले में खनन माफियाओं के खिलाफ 551 दिनों से आंदोलन में बैठे साधु ने केरोसीन डाल कर खुद को आग लगा ली.हालांकि हरियाणा के दर्दनाक हादसे ने राजस्थान सरकार की नींद उड़ा दी। आपको बता दे कि खनन माफियाओं को लेकर अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गंभीर नजर आ रहे हैं. बुधवार को एक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को योजना बनाकर खनन माफिया पर बिना किसी भी दबाव के सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि कानून की पालना सुनिश्चित करते हुए पुलिस अपना इकबाल कायम करे ताकि अवैध खनन करने वालों में भय पैदा हो. गहलोत ने भविष्य में अवैध खनन की रोकथाम सुनिश्चित कराने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित करने के भी निर्देश दिए हैं. वही दूसरी ओर आपको बता दे कि राजनीतिक पहुँच और दबाव के चलते पुलिस खनन माफियाओं पर कोई कारवाई नही कर पा रही है. राजधानी के ग्राम बिलौची - हरमाडा - हाथनौदा - हाडौता सहित कई जगहों पर अवैध खनन व अवैध तरीके से खनन की बातें सामने आ रही है. लगातार शिकायतों के बाद भी जयपुर पुलिस कमीश्ररेट के दौलतपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम बिलौची में अवैध खनन का काम बड़े धडल्ले से किया जा रहा है।

तो क्या राजस्थान सरकार भी हरियाणा मामले के बाद कसेगी खनन माफियाओं पर नकेल...

राजधानी के कई इलाकों में भी अवैध खनन को मिल रही है राजनीतिक शह...

लगातार शिकायतों के बाद भी बिलौची में चल रहा है धडल्ले से अवैध खनन.....

पुलिस अपना इकबाल कायम करे ताकि अवैध खनन करने वाले में भय व्याप्त हो - गहलोत

551 दिनों तक सरकार की आस में आंदोलन पर बैठे साधु ने लगाई खुद को आग.....

आपको बता दे कि राजस्थान के भरतपुर जिले में बाबा विजय दास नाम के संत ने अवैध खनन के विरोध में बुधवार को खुद को आग लगा ली. मिली जानकारी के मुताबिक साधु संतों के साथ पिछले 551 दिन से आंदोलन कर सरकार को चेतावनी देने वाले बाबा विजय दास ने बुधवार को अपने ऊपर केरोसिन डालकर आग लगाने के बाद राधे-राधे कहते हुए भागने लगे। जंहा पुलिसकर्मियों ने कमल डालकर आग बुझाई लेकिन वे करीब 80 फ़ीसदी जल चुके थे. बाबा को भरतपुर के राज बहादुर मेमोरियल अस्पताल में भर्ती किया गया जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है. बाबा के आत्मदाह के बाद राजस्थान के खान मंत्री प्रमोद भाया ने कहा कि संत जिन खानों को बंद करवाने की मांग कर रहे हैं वे लीगल है फिर भी उनकी सिफ्ट करने पर विचार किया जाएगा. वही सूत्रों कि माने तो राजस्थान सरकार ने 27 जनवरी 2005 को आदेश निकाला था कि ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के दोनों तरफ 500 मीटर में खनन नहीं किया जाएगा.वहीं दूसरी ओर सरकार ने दावा भी किया था कि धार्मिक स्थलों व पहाड़ों में खनन नहीं हो रहा है ना ही कोई खनन पट्टा दिया गया है इस इलाके में कोई खनन नहीं चल रहा है लेकिन परिक्रमा मार्ग से 500 मीटर के बाहर चलता रहा साधु संतों का दावा है कि 5 मीटर के अंदर भी माइनिंग का काम चल रहा है.आपको बता दे कि राजस्थान के भरतपुर जिले के डीग कामा तहसील का इलाका 80 कोस परिक्रमा मार्ग में पड़ता है साधु संतों का कहना है कि यह धार्मिक आस्था से जुड़ी जगह है यहां हिंदू धर्म के लोग परिक्रमा करते हैं इसलिए यहां वैध और अवैध दोनों तरह के खनन बंद होने चाहिए इस मांग को लेकर वे 551 दिनों तक आंदोलन कर रहे थे।

बिलौची का अवैध खनन डाल रहा है कस्बे वासियो का जीवन खाक में...

जयपुर पुलिस कमीश्नरेट के दौलतपुरा थाना क्षेत्र में स्थित ग्राम बिलौची में पिछले कई महिनों से अवैध खनन का काम जोरो शोरो से चलता आ रहा है. ब्लास्टिग के चलते आसपास के मकानों में दरारें तो आ ही रही है । साथ ही खनन के दौरान उडने वाली डस्ट ने लोगों को बिमार तक बना दिया है. खनन विभाग से लेकर कलेक्टर तक कस्बे वासियो की शिकायत पर आज तक ध्यान नही दिया गया। सिर्फ जांच के नाम पर फाइल कभी इधर तो कभी उधर घुमती रही, और खनन माफ़िया चांदी की खनक के पीछे धडल्ले से अपना काम सुचारू रुप से करते आ रहे हैं. जब राजधानी के इतने समीप बिलौची - हरमाडा - हाडौता और हातनोदा कस्बे में धडल्ले से अवैध तरीके से खनन माफ़िया अपना काम कर रहे हैं तो ग्रामीण क्षेत्रों के क्या हालात होगें। यह सब जानते हैं. देखना तो यह होगा कि राज्य के मुखिया अब सिर्फ बातों से ही जनता का दिल जीतने का काम करेगे या फिर वाकई मे खनन माफियाओं पर नकेल कसने का काम करेगें।

ग्राफिक्स
रोशन झा

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक भानु अरोड़ा के लिए महारानी प्रिंटर्स, 17 माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्लाट नं. 6, विजय नगर, बैनाड़ रोड, जयपुर (राज.) 302012 संपादक - भानु अरोड़ा । मो. 6367718601 RNI No-RAJHIN/2021/81002